साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 24 से 30 मार्च 2025
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 03 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com
पेज 03
विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार

अधिकारी की मेहरबानी से 300 करोड़ का एफडी ICICI को समर्पित

- ज्यादा ब्याज दर वाले बैंकों की माइनर फारेस्ट के अफसरों ने की अनदेखी
- बिना टेंडर प्रक्रिया के ICICI को अफसरों ने कर दिया 300 करोड़ की एफडी
- प्रक्रिया के तहत तेंदूपत्ता संग्राहकों को मई-जून में ऑनलाइन दी जाती है राशि

कमीशन का फेर, सरकारी पैसा निजी बैंक के बटुए में....

टीकम वर्मा
प्रमुख संवाददाता
मो. 7725073133

छत्तीसगढ़ के ज्यादातर मलाईदार सरकारी महकमों में इन दिनों अफसरशाही की वजह से कमीशनखोरी की सारी हदें पार होने लगी है। सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार का नया तरीका निकल लिया गया है। हींग लगे न फिटकरी और करप्शन का रंग भी चोखा वाली कहावत कम ब्याज दर वाले निजी बैंकों और शासकीय विभागों के विभागाध्यक्षों पर फिट बैठती है। सरकारी पैसों को मोटी रकम के लालच में निजी बैंकों को एफडी करने का बड़ा खुलासा छ. ग. राज्य लघु वनोपज संघ मर्यादित में हुआ है। बिना टेंडर प्रक्रिया अपनाए माइनर फारेस्ट समेत अन्य कई कॉर्पोरेशन ऑफिस द्वारा कई सौ करोड़ रूपये की एफडी कमतर ब्याज देने वाले निजी बैंकों को दे दी गई है। इसमें टेंडर प्रक्रिया का भी पालन नहीं कर माइनर फारेस्ट के कहते से 300 करोड़ की एफडी ICICI बैंक को दे दी गई। इस चौंकाने वाले खुलासे के पीछे की वजह भी उतनी ही दिलचस्प है....

जानकारी के मुताबिक छ.ग. राज्य लघु वनोपज संघ मर्यादित (माइनर फारेस्ट) में प्रक्रिया के तहत हर वर्ष करोड़ों की सरकारी राशि निजी बैंकों के लिए टेंडर के जरिये एफडी निकला जाता था। लेकिन इस दफा बिना टेंडर के विभाग के एमडी. ने ICICI बैंक के अपने चेहते मैनेजर (आतिफ ऊर्फ राकेश) को 300 करोड़ रूपये की एफडी दे दिया। कहा जाता है कि एमडी का इनके घर आना-जाना ज्यादा है जिसके चलते एमडी को ICICI बैंक के द्वारा कुछ ज्यादा ही खातिरदारी की जा रही है। बताया जाता है कि ICICI बैंक की तरफ से संघ को तीन बसें देने का वादा किया था और फिक्स्ड डिपोजिट राशि लेने के पश्चात मना कर दिया कि हम नहीं दे सकते जिसके पश्चात संघ फिक्स्ड डिपोजिट नहीं तोड़ सकता। फाईलों में एप्रूवल लिया गया है जिसके कारण फिक्स्ड डिपोजिट समय पूर्व नहीं तोड़ी जा सकती, जिसका बैंक ने गुमराह कर फायदा उठाया। इस डीलिंग में कितनी सच्चाई है यह जांच का विषय है। लेकिन इसके चलते लालच में संघ ने आने वाली अन्य राशि को भी इसी बैंक को समर्पित कर दिया। संघ को बैंक से बस मिली की नहीं यह मालूम नहीं परंतु करोड़ों की एफडी का कमीशन जरूर अफसरों की भेंट चढ़ने की चर्चा है।

ऐसे होता है तेंदूपत्ता राशि का वितरण

ICICI बैंक में पुरे पैसे गए तो तेंदूपत्ते की राशि टेंडर के माध्यम से मंगाई जाती जाती है। यह राशि ICICI बैंक में आती है इसके पश्चात् टेंडर के जरिये राशि पुरे तेंदूपत्ता धारकों को ऑनलाइन दी जाती है। उक्त राशि हितग्राहियों को मई-जून में दी जाती है। इसलिए एफडी करने की प्रक्रिया इस प्रकार होनी चाहिये ताकि मई-जून में फिक्स्ड डिपोजिट की गई राशि पूर्ण अवधि में प्राप्त हो सके। यह सारी प्रक्रिया एमडी, ईडी और मैनेजर फायनेंस के द्वारा जोरों से चलाई जा रही है। यह बात पिछले चार से पांच महीनों से बाजार में जोरों से चल रहा है कि पैसा खर्चा करो और बड़ा पैसा लो और पैसा चाहिए तो फायनेंस मैनेजर से सेटिंग कर किया जा रहा है।

आरोपों से बचने करते हैं ऐसा

बाजार में कई निजी, सहकारी, बड़े और छोटे बैंक हैं जो सरकारी विभागों की एफडी और पैसों को अपने पास जमा करवाना चाहते हैं इसलिए उक्त बैंक विभागों और सरकारी अधिकारियों की बटरिंग करने के साथ तरह तरह के ऑफर देते हैं। लेकिन अफसरशाही का नतीजा समझें या लालफीताशाही कि ज्यादा ब्याज दर देने वाले बैंकों की अनदेखी करके प्रायः बड़े बैंक का हवाला देकर सरकारी फंड की करोड़ों की राशि काम ब्याज दर पर दी जा रही है। महज कुछ बैंक विरोध न करें और कमीशन के इस खेल का खुलासा न हो इसके लिए चालाकी से थोड़ी राशि 2 या 3 अन्य बैंकों एफडी किया जाता है।

संघ के पास खर्च चलाने के लाले

एफडी के ब्याज से संघ की खर्च पूर्ति होती थी। इस बार संघ की ब्याज की कमाई पूरी तरह चौपट हो जाएगी। ऐसे में संघ यह सोचने के लिए मजबूर है कि इस साल अपना खर्च कैसे चलाएंगे। इधर AXIS बैंक पर फ़िदा और उसे फायदा पहुँचाने के लिए तत्पर ED श्री मनिवासगन फीलगुड कर रहे हैं। बताते हैं कि कुछ वक्त पहले ED ने MD के खिलाफ पीएस ऋचा शर्मा के पास शिकायत करने एक्सिस बैंक को भेजा गया था। तब पीएस ऋचा शर्मा ने MD से कहा था कि तेंदूपत्ता हितग्राहियों को ऑनलाइन ही पैसा भेजें। यह प्रक्रिया अभी भी आनलाईन ही चल रही है जो कि एक्सिस बैंक द्वारा की जा रही है। ईडी के कहने पर बैंक वाले पीएस ऋचा शर्मा को बैंक वाले गुमराह करने गए थे कि यह प्रक्रिया हमारे द्वारा पूर्ण कराई जाए।

अन्य बैंकों की ऐसी अनदेखी

छत्तीसगढ़ में अन्य बैंक और अपेक्स बैंक भी है। लेकिन इनकी अनदेखी कर विभागीय जिम्मेदार सरकारी पैसा कम ब्याज दर वाली बैंकों पर ज्यादा भरोसा करके रखवाते हैं। अफसरों को प्रदेश के इन बैंकों से ज्यादा बड़ी और निजी बैंकिंग सेवा पर भरोसा है। इसलिए शायद सहकारिता के हिसाब से APEX बैंक को टोटल डिपॉजिट का सिर्फ 10 फीसदी राशि रखा जाता है। नियमानुसार यह राशि हर हर वर्ष रखी जाती है पर इस साल अधिकारियों की मनमानी से नहीं रखी गई।

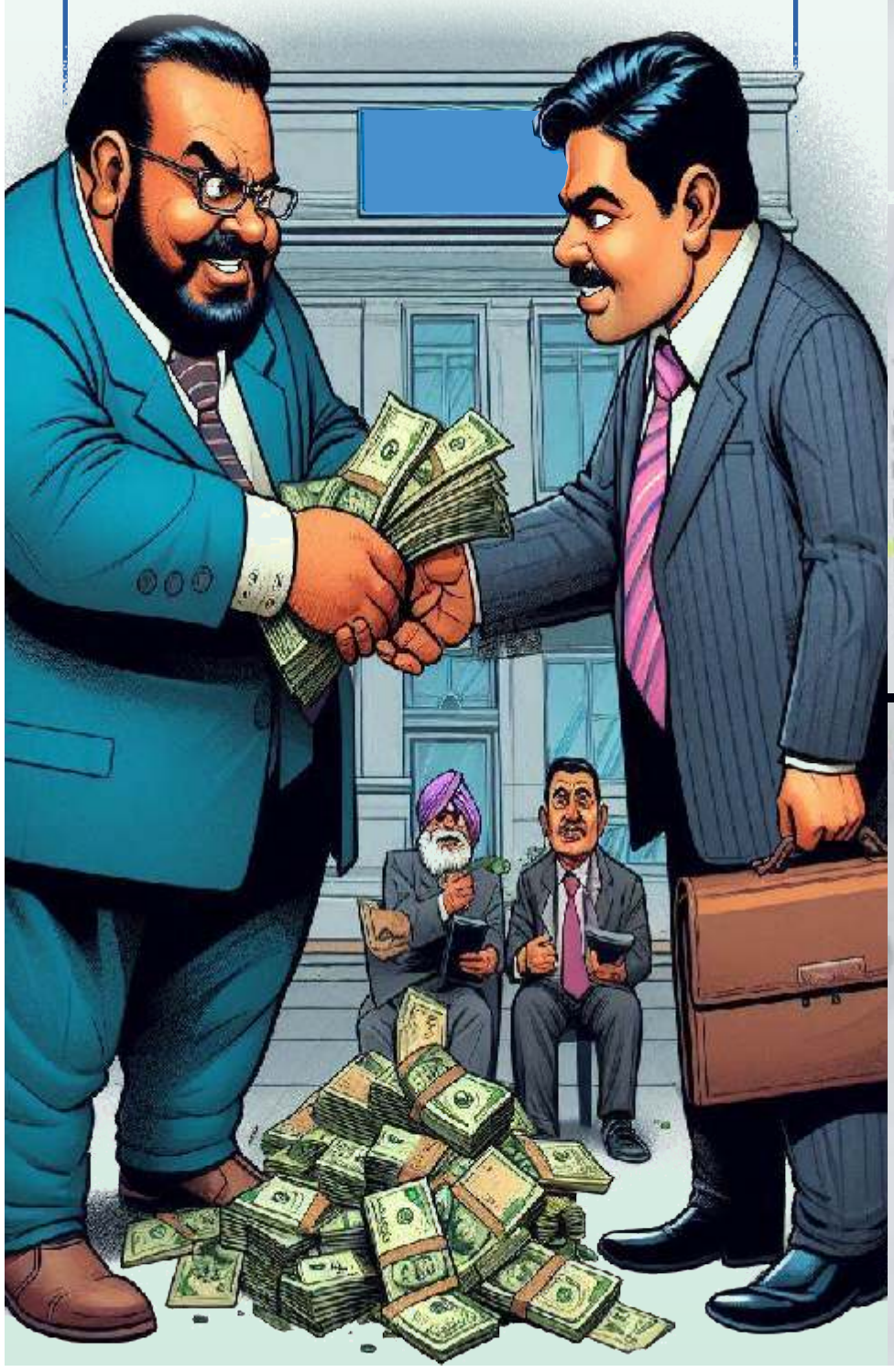

25-25 करोड़ की एफडी की होती है बंदरबांट

बता दें कि संघ की किसी भी प्रकार की कोई आमदनी नहीं है और ऐसे में संघ उस बैंक में एफडीआर करता है जहां संघ को ज्यादा ब्याज दर प्राप्त हो सके। पर इस वर्ष इस प्रक्रिया को धूमिल करते हुए कम ब्याज पर फिक्स्ड डिपोजिट किया गया, वह भी बिना टेंडर के द्वारा। प्रति वर्ष टेंडर के माध्यम से एफडी की ब्याज प्रतिशत दर मंगाया जाता है। लेकिन इस साल किसी भी टेंडर मंगाए बिना यह पैसा तीन चेहते बैंकों में आरएम के ऑफर पर जमा कर दी गई। जानकारी के मुताबिक ICICI बैंक में 300 करोड़ एफडी, HDFC बैंक में 200 करोड़ की एफडी और AXIS बैंक में बचत खाता में 250 करोड़ जमा किया गया है जिसमें बैंक द्वारा संघ को 3 प्रतिशत ब्याज दिया जा रहा है जहां यह संघ इसी राशि पर 7.50 प्रतिशत प्राप्त कर सकता था।

शासन के आदेश और इम्पैनल्ड बैंकों की ये है लिस्ट

छत्तीसगढ़ शासन
वित्त विभाग
कार्यालय संचालक
संचालनालय, संस्थागत वित्त
ब्लाक-1, चतुर्थ तल, इंद्रावती भवन
नवा रायपुर, अटल नगर छत्तीसगढ़
492002 दूरभाष/Ph No: 0771-2510640

www.cgdif.nic.in

Govt of Chhattisgarh
Finance Department
Office of the Director
Directorate of Institutional Finance
Block-1, 4th Floor, Indrawati Bhawan,
Nava Raipur, Atal Nagar
Chhattisgarh-492002
ई-मेल/Email : dif.cg@gov.in

क्रमांक- 83 /संसंवि/बैंक इम्पे/2023 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 24/01/2023

प्रति,

अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव/विशेष सचिव (स्वतंत्र प्रभार)
छत्तीसगढ़ शासन
.... विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर

विषय :- राज्य शासन के विभिन्न प्रशासकीय विभाग/निकाय/निगम/मंडल/उपक्रम/बोर्ड/पंचायत/ट्रस्ट/सोसायटी/कम्पनी/सार्वजनिक उपक्रम/अथॉरिटी इत्यादि के अतिरिक्त राशि का वाणिज्यिक बैंकों में जमा करने बाबत् – पात्र बैंकों की सूची।

संदर्भ :- 1 छत्तीसगढ़ शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर का वित्त निर्देश 24/2020, पत्र क्र. 723/वित्त/नया/चार, दिनांक 28.10.2020

2 संचालनालय संस्थागत वित्त, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर अटल नगर का का ज्ञाप क्र. 613-A/संसंवि/बैंक इम्पे/2020, दिनांक 28.10.2020

-::-

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित वित्त निर्देश के कंडिका-10 के माध्यम से संचालक, संचालनालय संस्थागत वित्त को शासकीय राशि को वाणिज्यिक बैंकों में जमा करने हेतु पात्र बैंकों की सूची जारी करने के लिये अधिकृत किया गया है। उक्त के परिपालन में पात्र बैंकों की सूची उनके 30.09.2022 की स्थिति में परफार्मेंस के आधार पर जारी की जा रही है। यह सूची इस संचालनालय की वेबसाईट www.cgdif.nic.in पर भी उपलब्ध है। उक्त सूची नवीन सूची जारी होने तक प्रभावशील रहेगी।

2/ कृपया उपर्युक्त संदर्भित संचालनालय संस्थागत वित्त के ज्ञाप क्रमांक 28.10.2020 में दिये गये निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की व्यवस्था करें।

संलग्न :- पात्र बैंकों की सूची।

(शीतल शाश्वत वर्मा)
संचालक

पृष्ठा. क्र. 84 /संसंवि/बैंक इम्पे./2023 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 24/01/2023

प्रतिलिपि :-

संयोजक एवं उपमहाप्रबंधक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, भारतीय स्टेट बैंक, आंचलिक कार्यालय, पेन्शन बाजार, रायपुर (छ.ग.) की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

संचालक

24/01/2023

List of Empaneled Banks for Government Deposit

S.No.	Bank
1	APEX BANK
2	AU SMALL FINANCE BANK LIMITED
3	AXIS BANK
4	BANDHAN BANK
5	BANK OF BARODA
6	BANK OF INDIA
7	BANK OF MAHARASHTRA
8	CANARA BANK
9	CENTRAL BANK OF INDIA
10	CHATTISGARH RRB
11	EQUITAS SFB
12	ESAF SMALL FINANCE BANK
13	HDFC BANK LTD
14	ICICI BANK
15	IDBI Bank
16	IDFC FIRST BANK
17	INDIAN BANK
18	INDIAN OVERSEAS BANK
19	INDUSIND BANK
20	JANA SFB
21	PUNJAB AND SIND BANK
22	PUNJAB NATIONAL BANK
23	RBL BANK LTD.
24	STATE BANK OF INDIA
25	UCO BANK
26	UNION BANK OF INDIA
27	UTKARSH SFB
28	YES BANK LTD

यह है बैंकों के ब्याज दर और डिपॉजिट की लिस्ट

IDFC FIRST Bank

Interest rates on deposits - Domestic, NRE, NRO - Rs. 3 crore and above
(effective October 29, 2024)

(I) Domestic, NRE, NRO interest rates - where Premature withdrawal is NOT permitted for Rs. 3 crore to 25 crore

Period	FD Rates** (Rs. 3 crore – 5 crore)	FD Rates** (> Rs. 5 crore - 10 crore)	FD Rates** (> Rs. 10 crore - 15 crore)	FD Rates** (> Rs. 15 crore - 25 crore)
7 - 14 days	4.75%	4.75%	4.75%	4.75%
15 - 35 days	5.00%	5.00%	5.00%	5.00%
36 - 45 days	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
46 - 60 days	6.35%	6.35%	6.35%	6.35%
61 - 91 days	7.05%	7.05%	7.25%	7.05%
92 - 180 days	7.45%	7.45%	7.45%	7.45%
181 - 270 days	7.65%	7.65%	7.65%	7.65%
271 - 365 days	7.80%	7.80%	7.80%	7.80%
366 - 399 days	7.95%	7.95%	7.95%	7.95%
400 - 499 days	7.60%	7.60%	7.60%	7.60%
500 - 540 days	7.60%	7.60%	7.60%	7.60%
541 - 731 days	7.45%	7.45%	7.45%	7.45%
732 - 1095 days	7.20%	7.20%	7.20%	7.20%
3 years 1days - 5 years	7.10%	7.10%	7.10%	7.10%
5 Year 1 Day - 8 Years	7.10%	7.10%	7.10%	7.10%
8 Year 1 Day - 10 Years	7.10%	7.10%	7.10%	7.10%

Page 1 of 2

छत्तीसगढ़ हुआ गौरान्वित

प्रदेश के पहले साहित्यकार विनोद शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार

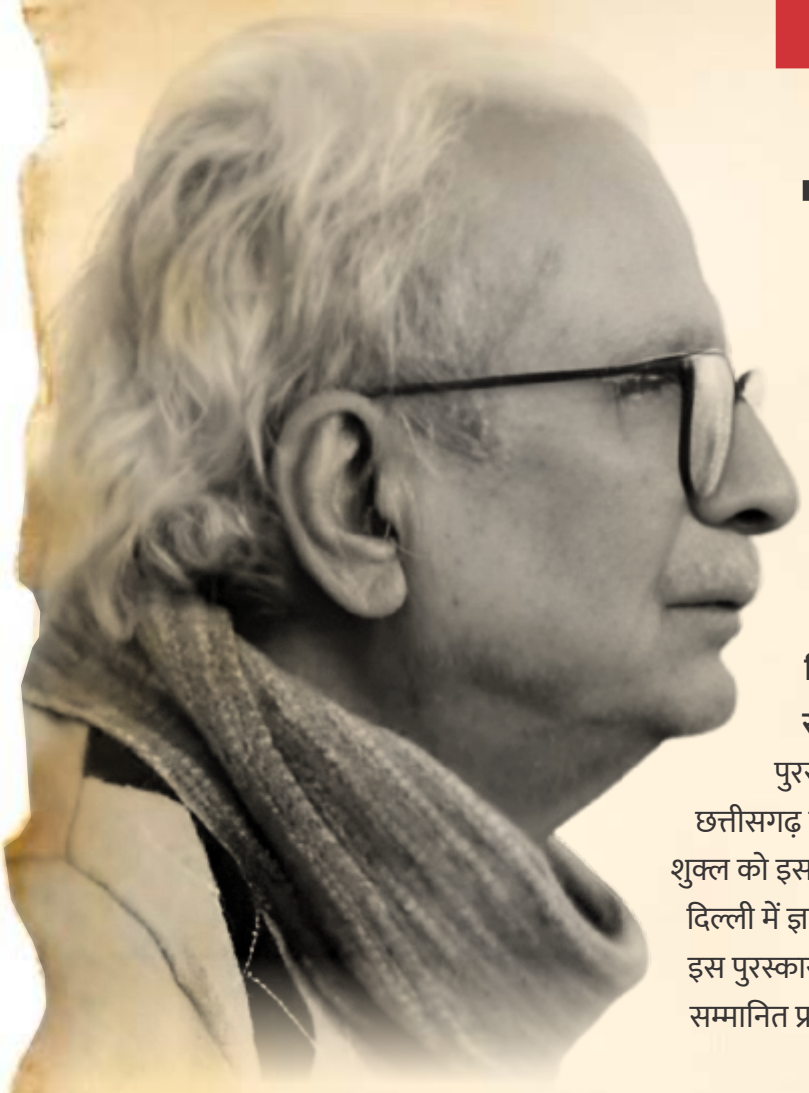

विनोद कुमार शुक्ल पिछले 50 साल से लेखन को समर्पित हैं

उनकी मां की प्रेरणा ने बनाया उन्हें मशहूर साहित्यकार

कभी हिंदी निबंध में फेल हो गए थे विनोद शुक्ल

टीचर बोले-क्या लिखते हो कुछ समझ नहीं आता

विकास यादव /विशेष संवाददाता शहर सत्ता

रायपुर। छत्तीसगढ़ से किसी साहित्यकार को पहली बार ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलेगा। विनोद कुमार शुक्ल को 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलेगा। छत्तीसगढ़ के रायपुर के रहने वाले हिंदी के शीर्ष कवि-कथाकार विनोद कुमार शुक्ल को इस साल का ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया जाएगा। इसकी घोषणा शनिवार नई दिल्ली में ज्ञानपीठ चयन समिति ने की है। वह हिन्दी के 12वें साहित्यकार हैं, जिन्हें इस पुरस्कार से नवाजा जा रहा है। सुप्रसिद्ध कथाकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में चयन किया गया है।

कविता संग्रह

जयहिंद, वह आदमी चला गया, नया गरम कोट पहनकर विचार की तरह, सब कुछ होना बचा रहेगा, अतिरिक्त नहीं, कविता से लंबी कविता, आकाश धरती को खटखटाता है, हरे पत्ते के रंग की पतरंगी और कहीं खो गया नाम का लड़का खासी लोकप्रिय हैं।

ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाले 12वें हिंदी लेखक हैं शुक्ल

हिंदी के प्रसिद्ध लेखक विनोद कुमार शुक्ल छत्तीसगढ़ के पहले साहित्यकार हैं, जिन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलेगा। 88 साल के शुक्ल कहानीकार, कवि और निबंधकार हैं। हिंदी के समकालीन लेखकों में हैं। वे ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाले 12वें हिंदी लेखक हैं। 'नौकर की कमीज, 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'सब कुछ होना बचा रहेगा' उनकी प्रमुख किताबें हैं।

नाबोकॉव अवॉर्ड पाने वाले पहले एशियाई

कविता और उपन्यास लेखन के लिए गजानन माधव मुक्तिबोध फेलोशिप, रजा पुरस्कार, वीरसिंह देव पुरस्कार, सृजनभारती सम्मान, रघुवीर सहाय स्मृति पुरस्कार, दयावती मोदी कवि शिखर सम्मान, भवानीप्रसाद मिश्र पुरस्कार, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, पं. सुन्दरलाल शर्मा पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। उपन्यास 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' के लिए 1999 में 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार भी मिल चुका है। हाल के सालों में उन्हें मातृभूमि बुक ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी दिया गया है। पिछले साल ही उन्हें पेन अमेरिका ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के लिए नाबोकॉव अवॉर्ड से सम्मानित किया था। एशिया में यह सम्मान पाने वाले वे पहले साहित्यकार हैं।

ज्ञानपीठ पुरस्कार सम्मान

ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय ज्ञानपीठ न्यास की तरफ से भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। भारत का कोई भी नागरिक जो 8वीं अनुसूची में बताई गई 22 भाषाओं में से किसी भाषा में लिखता हो, इस पुरस्कार के योग्य है। पुरस्कार में 11 लाख रुपए, प्रशस्तिपत्र और वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा दी जाती है। 1965 में 1 लाख रुपए की पुरस्कार राशि से शुरू हुए इस पुरस्कार को 2005 में 7 लाख रुपए कर दिया गया, जो वर्तमान में 11 लाख रुपए हो चुका है। पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार 1965 में मलयालम लेखक जी शंकर कुरुप को दिया गया था।

2024 के प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए अपने नाम की घोषणा के बाद, विनोद कुमार शुक्ल ने इस सम्मान को एक बड़ी जिम्मेदारी बताया. 88 वर्षीय साहित्यकार ने अपनी साहित्यिक यात्रा को याद करते हुए कहा, "मुझे बहुत कुछ लिखना था, लेकिन मैं बहुत कम लिख पाया. मैंने बहुत कुछ देखा, सुना और महसूस किया, लेकिन उसका एक अंश ही लिख पाया."

युवा लेखकों को संदेश

नए और युवा लेखकों के लिए उन्होंने कहा, "अपने ऊपर भरोसा रखें और लगातार लिखते रहें. लेखन कोई साधारण चीज़ नहीं है, इसे गंभीरता से लें. पाठकों की प्रतिक्रिया को महत्व दें और अपनी रचनात्मकता को खुलकर व्यक्त करें."

एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, "जब मुझे अवसर मिलता है, मैं लिखता हूँ. पहला पैराग्राफ अगले पैराग्राफ को तय करता है, और इसी तरह लेखन आगे बढ़ता है. कोई न कोई प्रेरणा जरूर होती है, लेकिन मैं कभी भी अपने लेखन के उद्देश्य को पूरी तरह नहीं समझ पाया. शायद यह जानना जरूरी भी नहीं कि कोई आखिर क्यों लिखता है."

दिलचस्प बात यह है कि हिंदी साहित्य की ओर रुझान 12वीं कक्षा में हिंदी विषय में फेल होने के बाद शुरू हुआ. 2020 के एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, "अगर मैं हिंदी में फेल नहीं होता, तो शायद डॉक्टर या इंजीनियर बन जाता."

मुख्यमंत्री साय ने निवास पहुंचकर की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वरिष्ठ साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल के रायपुर स्थित निवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री शुक्ल को ज्ञानपीठ सम्मान की घोषणा पर उन्हें हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री ने विनोद कुमार शुक्ल से कहा कि आपने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी प्रदेशवासियों की तरफ से श्री शुक्ल का सम्मान करते हुए उन्हें शॉल-श्रीफल तथा बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह नंदी भेंट किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री विनोद कुमार शुक्ल से कहा कि साहित्य के क्षेत्र में आपके विशिष्ट योगदान पर आपको देश का सबसे प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ सम्मान दिए जाने की घोषणा से पूरा प्रदेश गौरवान्वित अनुभव कर रहा है। यह मेरा सौभाग्य है कि आज खुशी के इस पल में आपसे भेंट करने का मुझे अवसर मिल रहा है।

अभिनेता और लेखक मानव कौल के साथ मशहूर साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल

साप्ताहिक शहरसत्ता

शहरसत्ता टीम को शुभकामनाएं...

शहरसत्ता टीम से विधानसभा बजट सत्र के दौरान उपमुख्यमंत्री अरूण साव और मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने शहरसत्ता साप्ताहिक समाचार पत्र के समाचारों और खबरों के स्तर की सराहना की। माननीय उपमुख्यमंत्री अरूण साव एवं मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने शहरसत्ता के प्रधान संपादक सुकांत राजपूत, प्रबंध संपादक प्रदीप चंद्रवंशी, महाप्रबंधक विकास यादव समेत प्रसार एवं विज्ञापन प्रबंधक टीकम वर्मा के साथ शहरसत्ता के द्वितीय अंक का विमोचन किया। इस दौरान शहरसत्ता साप्ताहिक अखबार के हितवर्धक वरिष्ठ पत्रकार एवं राज्य अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित मोहन तिवारी की उपस्थिति में समाचार पत्र के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए खबरों की सराहना की।

छत्तीसगढ़ में नवंबर और दिसंबर में होंगे वन-डे मैच

नईदिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ को इस बार भले ही आईपीएल की मेजबानी नही मिली, लेकिन नवंबर और दिसंबर में होने वाले वन-डे मैच की मेजबानी मिल गई है। यह दूसरा मौका होगा जब छत्तीसगढ़ को वन-डे इंटरनेशनल मैच की मेजबानी का मौका मिला है। दो साल पहले भारत और न्यूजीलैंड के बीच वन-डे खेला गया था, जो रायपुर में खेला गया पहला वन-डे इंटरनेशनल मैच था। अब एक बार फिर विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे स्टार क्रिकेटर रायपुर में चौके-छक्के लगाते नजर आएंगे। वहीं एक साल पहले भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मैच भी खेला गया था। इस तरह छत्तीसगढ़ को तीसरे इंटरनेशनल मैच की मेजबानी मिली है। रायपुर में 3 दिसंबर 2025 को क्रिकेट वन-डे मैच होगा। बीसीसीआई ने भारत और साउथ अफ्रीका के बीच मैच का शेड्यूल जारी कर दिया है। नवंबर में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच ओडीआई सीरीज की शुरुआत होगी। एक मैच रांची, एक मैच रायपुर में और बाकी के मुकाबले विशाखापट्टनम और कटक जैसे शहरों में होंगे।

ये खिलाड़ी आ सकते हैं रायपुर

भारतीय टीम के रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल , विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रिका के टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश रायपुर आ सकते हैं।

भारत का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है रायपुर

दर्शक क्षमता के अनुसार भारत में नरेन्द्र मोदी स्टेडियम, गुजरात (1.10 लाख), ईडन गार्डन, कोलकाता (68 हजार) के बाद शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम तीसरा बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। इस स्टेडियम में 65,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है।

विधानसभा के "रजत जयंती वर्ष" पर विधायकों को संबोधित करेंगी मूर्मू

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधान सभा के "रजत जयंती वर्ष" के अवसर पर माननीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की राष्ट्रपति,विधानसभा के सदन में प्रदेश के मान. विधायकों को दिनांक 24 मार्च, 2025 को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वृक्षारोपण एवं मान. सदस्यों के साथ समूह छायाचित्र का कार्यक्रम भी है। इस कार्यक्रम का दूरदर्शन रायपुर एवं आकाशवाणी रायपुर से सीधा से प्रसारण किया जाएगा। दूरदर्शन रायपुर से सीधे प्रसारण की लिंक नीचे उपलब्ध है।

विधानसभा अध्यक्ष ने तैयारियों का लिया जायजा

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा परिसर में राष्ट्रपति माननीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के आगमन पर तैयारियों का जायजा लिया । इस अवसर पर मान. संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप, विधानसभा सचिव श्री दिनेश शर्मा, विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे । उन्होने महामहिम राष्ट्रपति के आगमन की समस्त तैयारियों की समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश भी दिये । मान. राष्ट्रपति इस अवसर पर सेन्ट्रल हॉल के सामने "कदम्ब" का पौधा लगायेंगी । माननीया राष्ट्रपति जी के साथ छत्तीसगढ विधान सभा के सभी मान. सदस्यों का सेन्ट्रल हॉल में समूह छायाचित्र भी होगा, पश्चात् सभा में मा. सदस्यों के लिए संबोधन कार्यक्रम होगा।

वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी को बलिदान दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

शैलेंद्र लोधी बने हरदेव लोधी समाज आरंग के अध्यक्ष

आरंग। श्री हरदेव लोधी समाज परिक्षेत्र आरंग के तत्वाधान में 20 मार्च को दो दिवसीय सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित की गई। इस सम्मेलन में सामाजिक क्रियाकलापों के साथ समाज के प्रमुख लोगों को सम्मानित किया गया।

समाजिक सम्मेलन की शुरुआत वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। वहीं समाज को लगभग 45 एकड़ जमीन दान करने वाली दानदाता स्व. मनियारा बाई लोधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। इसके बाद समाज के तात्कालिक अध्यक्ष गणपत राम लोधी द्वारा अपने 3 वर्षीय कार्यकाल में वित्तीय वर्ष 2024-25 के आए गए का विवरण प्रस्तुत किया। साथ ही समाज में प्रस्तुत किए गए विभिन्न विवादों का निपटारा किया गया। कार्यक्रम में सभा का संचालन कैलाश लोधी एवं उनके साथ सूरज लोधी ने की। सभा के दौरान खिलावन प्रसाद लोधी की पुस्तक हमारी संस्कृति-हमारी विरासत और हमारे रीति रिवाज का विमोचन किया गया। इस मौके पर लोधी समाज के सामाजिक सम्मेलन में कार्यक्रम की अध्यक्षता गणपतराम लोधी ने की।

कार्यक्रम समाप्ति के दौरान लोधी समाज के सामाजिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्याम नारंग जिला अध्यक्ष भाजपा रायपुर ग्रामीण, डॉ संदीप जैन नवनिर्वाचित अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आरंग एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में देवनाथ साहू अध्यक्ष आरंग मंडल भाजपा, पार्षद नरेंद्र लोधी एवं संतोष लोधी तथा सामाजिक चुने हुए प्रतिनिधि जैसे ग्राम पंचायत कलई के सरपंच ओमप्रकाश लोधी, पाली के सरपंच भुवनेश्वर लोधी, ग्राम खमतराई के उपसरपंच ज्ञानचंद लोधी, लामी के उपसरपंच गुलाल लोधी एवं विभिन्न ग्रामों के पंचगण की उपस्थिति थी।

तीन साल के लिए चुने गए नए पदाधिकारी

समाजिक नियमावली के अनुसार तीन वर्ष के लिए चुनाव पद्धत्ति के अंतर्गत नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। इस दौरान शैलेंद्र लोधी निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। वहीं टुकेश्वर लोधी उपाध्यक्ष, संजय लोधी सचिव, कोषाध्यक्ष शांतिलाल लोधी और समाज के संरक्षक के पद पर लक्ष्मीनारायण लोधी नियुक्त किए गए। इसके अलावा पत्रकार संजय लोधी राजपूत को लोधी समाज का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया।

संपादकीय

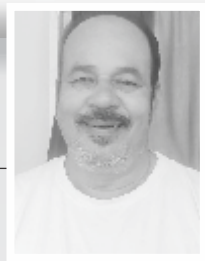

सुकांत राजपूत

आर्डर...आर्डर... समाज आहत है

भले ही कितनी भी क़ानूनी पेंच हो, ऐसे में न्यायपालिका को सोच-समझकर कोई टिपण्णी करना चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि पीड़िता के प्राइवेट पार्ट्स को छूना और पायजामी की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है। कोर्ट ने ये कहा कि ये मामला गंभीर यौन हमले के तहत आता है। कोर्ट ने इसे अपराध की तैयारी और वास्तविक प्रयास के बीच अंतर करार दिया है। यह साबित करना होगा कि मामला तैयारी से आगे बढ़ चुका था। मामला उत्तर प्रदेश के कासगंज इलाके में 2021 का है, जब कुछ लोगों ने नाबालिग लड़की के साथ जबरदस्ती की थी। क्योंकि शरीर के प्राइवेट पार्ट को जबरन छूना और पायजामी की डोरी तोड़ना साफ तौर पर रेप के प्रयास की श्रेणी में आ सकता है, क्योंकि इसका मकसद पीड़िता की शारीरिक निजता का उल्लंघन करना है। ऐसे मामलों में इरादा ज्यादा मायने रखता है। सुप्रीम कोर्ट यह कई बार कह चुका है। बावजूद इसके किसी कोर्ट और जज की टिपण्णी के बाद समाज अगर आहत होता है तो इन सब विवादित बयानों से न्यायपालिका को बचना होगा।

सोशल मीडिया पर लोग इस फैसले को लेकर काफी नाराज हैं। एक यूजर ने लिखा-लोग पूछ रहे हैं कि क्या इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह फैसला यौन अपराधियों को छूट देने और पीड़ितों के साथ अन्याय करने का रास्ता नहीं खोलता? जब सुप्रीम कोर्ट पहले ही तय कर चुका है कि बच्चों के अंगों को छूना भी 'यौन हमला' माना जाएगा, तो इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस मामले में इतनी लचर और असंवेदनशील व्याख्या क्यों दी? क्या इस फैसले से यह संकेत नहीं मिलता कि नाबालिग लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न के कुछ कृत्य गंभीर अपराध नहीं माने जाएंगे, जिससे अपराधियों को और बढ़ावा मिलेगा? सीनियर एडवोकेट इंदिरा जयसिंह ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में स्वतः संज्ञान लेने की मांग की। उन्होंने कहा-सुप्रीम कोर्ट ने बहुत कम मामलों में जजों की खिंचाई की है।

एक यूजर ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला पीड़िता की निजता को तार-तार करता है और रेप जैसे घिनौने अपराध को कमजोर करता है। यह कॉलेजियम सिस्टम की विफलता का सबूत है, जो ऐसे संवेदनहीन जज नियुक्त करता है। इस सड़े हुए सिस्टम को उखाड़ने की जरूरत है। बता दें कि 19 नवंबर, 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ का एक फैसला पलटते हुए कहा था कि किसी नाबालिग के यौन अंगों को छूना या यौन इरादे से शारीरिक संपर्क से जुड़ा कोई भी कृत्य पॉक्सो एक्ट की धारा 7 के तहत यौन हमला माना जाएगा। इसमें स्किन से स्किन संपर्क से ज्यादा अहम है इरादा।

शरीर के प्राइवेट पार्ट को जबरन छूना और पायजामी की डोरी तोड़ना साफ तौर पर रेप के प्रयास की श्रेणी में आ सकता है, क्योंकि इसका मकसद पीड़िता की शारीरिक निजता का उल्लंघन करना है। ऐसे मामलों में इरादा ज्यादा मायने रखता है। सुप्रीम कोर्ट यह कई बार कह चुका है। POCSO अधिनियम को लागू करने का उद्देश्य बच्चों को यौन शोषण से बचाना है। यदि इस तरह की संकीर्ण व्याख्या को स्वीकार किया जाता है, तो यह बहुत ही हानिकारक स्थिति को जन्म देगा, जो अधिनियम के उद्देश्य को ही विफल कर देगा। क्योंकि उस स्थिति में दस्ताने, कंडोम, चादर या कपड़े से बच्चे के शरीर के यौन या गैर-यौन भागों को छूना, भले ही यौन इरादे से किया गया हो, POCSO अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन उत्पीड़न का अपराध नहीं होगा।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में पॉक्सो एक्ट के तहत देशभर में करीब 54 हजार मामले दर्ज किए गए थे। जबकि, इससे पहले 2020 में 47 हजार मामले दर्ज हुए थे. 2017 से 2021 के बीच पांच साल में पॉक्सो एक्ट के तहत 2.20 लाख से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। हालांकि, पॉक्सो एक्ट में कन्विक्शन रेट काफी कम है। आंकड़े बताते हैं कि पांच साल में 61,117 आरोपियों का ट्रायल पूरा हो पाया, जिनमें से 21,070 यानी करीब 35% को ही सजा मिली है। वहीं, बाकी के 37,383 आरोपियों को बरी कर दिया गया। इस विवादित बयां के बीच अब सवाल उठने लगा है कि यदि न्यायाधीश संवेदनशील नहीं होंगे, तो महिलाओं और बच्चों को न्याय कैसे मिलेगा?

हठधर्मी का नतीजा, हटाए गए किसान

आ यह ठीक है कि पंजाब सरकार की ओर से किसान संगठनों को सड़क से हटा देने से किसान नेता नाराज हैं लेकिन उचित यह होगा कि उनके और केंद्र सरकार के बीच बातचीत का सिलसिला कायम रहे। बातचीत किसी सकारात्मक नतीजे पर तभी पहुंच सकती है जब दोनों ही पक्ष बीच का कोई रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे।

पंजाब-हरियाणा सीमा पर एक वर्ष से अधिक समय तक दो प्रमुख रास्तों को रोककर धरना दे रहे किसानों को जबरन हटाकर पंजाब सरकार ने वही किया, जो उसे बहुत पहले करना चाहिए था। किसानों के इस धरने के कारण न केवल आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, बल्कि व्यापारियों को अच्छा-खासा नुकसान भी उठाना पड़ रहा था।

चूंकि किसान नेता सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद भी अपना हठ छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे, इसलिए पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार के पास रास्ते खाली कराने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह गया था। यह वही आम आदमी पार्टी है, जिसने एक समय कृषि कानूनों के विरोध में जबरन दिल्ली घेर कर बैठे किसानों का हर तरह से समर्थन किया था।

यह अच्छा है कि उसने मजबूरी में ही सही, अपने राजधर्म को समझा। यह समय की मांग है कि किसान नेता भी यह समझें कि हठधर्मिता दिखाने से उनकी समस्याओं का समाधान होने वाला नहीं है। उन्हें यह भी समझना होगा कि यदि कोई अपनी मांगें मनवाने के लिए जानबूझकर लोगों को परेशान करने वाले तौर-तरीके अपनाता है तो वह जनता की सहानुभूति खो देता है और सरकारों के लिए उनकी मांगों पर विचार करना भी कठिन हो जाता है।

किसान संगठन अपनी अन्य अनेक मांगों समेत सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की गारंटी वाला कानून चाहते हैं। उनका मानना है कि सरकार के लिए ऐसा कानून बनाना संभव है, लेकिन केंद्र सरकार बार-बार कह रही है कि ऐसा कानून बनाना संभव नहीं और यदि उनके दबाव में वह बना भी दिया जाए तो उसके दुष्परिणाम किसानों को ही भुगतने होंगे।

किसान नेताओं के पास ऐसे सवालों का कोई जवाब नहीं कि यदि व्यापारी एमएसपी पर खरीद से पीछे हट जाते हैं तो क्या होगा? इस पर हैरानी नहीं कि किसान नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों के बीच सातवें दौर की वार्ता किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई।

यह ठीक है कि पंजाब सरकार की ओर से किसान संगठनों को सड़क से हटा देने से किसान नेता नाराज हैं, लेकिन उचित यह होगा कि उनके और केंद्र सरकार के बीच बातचीत का सिलसिला कायम रहे। बातचीत किसी सकारात्मक नतीजे पर तभी पहुंच सकती है, जब दोनों ही पक्ष बीच का कोई रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे।

जहां सरकार के लिए ऐसे उपाय करने आवश्यक हैं, जिनसे खेती की लागत कम हो और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, वहीं किसान नेताओं को भी अपनी मांगों को लेकर जिद पकड़ने से बचना होगा। केंद्र सरकार को यह जिम्मेदारी अपने सिर लेनी होगी कि वह किसान नेताओं के समक्ष वे तथ्य रखे, जिनसे यह स्पष्ट हो सके कि एमएसपी पर खरीद की गारंटी वाला कानून किस तरह की समस्याएं पैदा करेगा।

मृतात्मा के शांति खातिर दस दिन ले उरई म काबर रितोथन पानी?

सुशील भोले

हमर छत्तीसगढ़ म तइहा बेरा ले ए परंपरा चले आवत हे, के जेन कोनो हमर लाग-मानी मन अपन नश्वर देंह के त्याग कर के देवलोक के रद्दा चल देथें, वोला अंत्येष्टि या कहिन काठी के दिन ले दसगात्र तक रोज कोनो तरिया या नदिया म घाट बना के पॉच पसर पानी जरूर देथन.

ए परंपरा ह इहाँ के हर जाति समाज म देखे म आथे. जेन तरिया या नदिया म मृतात्मा ल पानी दे खातिर घाट बनाए जाथे, वोमा 'उरई' नामक एक जलीय पौधा ल गड़िया दिए जाथे, तहाँ ले वो जगा मृतात्मा खातिर एक ठन मुखारी मढ़ा दिए जाथे. जेन गाँव या घाट म उरई के पौधा नइ मिलय उहाँ दूबी ल गड़िया दिए जाथे, काबर ते दूबी ल घलो उरई बरोबर अम्मर माने जाथे, फेर उरई ल प्राथमिकता दिए जाथे. हमर जिनगी म जनम ले मरण तक कतकों नेंग-जोग अउ रीति-रिवाज हे, जेला हमन पुरखौती बेरा ल पूरा निष्ठा अउ नियम के साथ मनावत आवत हावन. आप सब जानथौ के हमर छत्तीसगढ़ ह मूल रूप ले प्रकृति के उपासक समाज आय. एकरे सेती हमर इहाँ प्रकृति ले जुड़े हर जिनिस, जइसे जीव-जंतु, रुख-राई, कांदी-कुसा आदि सबोच ल इहाँ के नेंग-जोग अउ रीति-रिवाज म सँघारे गे हावय. नदिया, नरवा, तरिया, ढोड़गा जम्मोच पानी के तीर म पाए जाने वाला जलीय पौधा 'उरई' घलो अइसने एक प्राकृतिक जिनिस आय, जे ह कभू मरबे नइ करय, माने एक किसम ले अम्मर होथे. ए उरई ह कतकों खड़खड़ ले सूखा जाय राहय, फेर जब कभू थोर-बहुत पानी मिल जाथे, तहाँ ले फेर हरिया के मुस्काए लगथे. माने वापिस पुनर्जीवित हो जाथे. हमन तइहा बेरा ले सुनत अउ पढ़त आवत हावन के आत्मा रूपी जीव ह कभू मरय नहीं, मरथे कहूँ त ए पॉच तत्व ले बने शरीर ह. एकरे सेती एला आत्मा के शरीर बदलना घलो कहे जाथे. कहे जाथे के आत्मा ह जर्जर होवत शरीर ल बदल के दूसर नवा शरीर म प्रवेश कर जाथे. इहू मान्यता हावय के वो आत्मा ह अपन तात्कालिक देंह के माध्यम ले करे गे कर्म के मुताबिक कोनो आने चोला धारण करथे या फेर मोक्ष या सद्गति के प्रक्रिया म कोनो देवमंडल म थिरावत रहिथे, आनंद भोगत रहिथे.

एकरे सेती जब वो ह अपन तात्कालिक देंह के त्याग करथे, तब हम सब ओकर सगा-संबंधी मन कोनो तरिया या नदिया म घाट बना के दस दिन ले ओकर नॉव म नाहवन नहाथन अउ उरई के पौधा ल खोंच के तिलि जवाँ संग पॉच पसर पानी देथन, अउ मने मन अरजी करथन के हे पुण्य कर्म करने वाला आत्मा जा तुँहला शांति मिलय, जेन कोनो योनि म या देवजगत म ठउर पावस, उहाँ इही उरई के पौधा बरोबर सुघ्घर हरियर मुस्कावत राहस, अम्मर राहस.

ॉ-आजकाल जेने ल देखबे तेने ह अपन आप ल इहाँ के मूल निवासी घोषित करे के नॉव म माटी पुत्र के संबोधन लगावत रहिथे जी भैरा.

-असली म का हे ना.. जे मन माटी के पुतला बरोबर होथें, तेही मन माटी पुत्र कहाए बर जादा सधाए रहिथें अउ तैं आकब करे हावस जी कोंदा..अइसन रोग ह राजनीति वाले मनला जादा लगे हे, आम लोगन ल ए सब ले का लेना देना हे.

-सही आय जी.. आम लोगन ल अपन चिन्हारी न बताए के जरूरत हे अउ न लुकाए के.. उन जइसन हें तइसन जगजाहिर हे.

-फेर मोला अइसे लागथे संगी के जेकर मन के इहाँ के भाखा, संस्कृति अउ अस्मिता क्षेत्र म कोनो किसम के पोठहा योगदान नइए वो मनला माटी पुत्र के संबोधन ले चिन्हारी नइ करे जाना चाही.

-बिल्कुल नइ करे जाना चाही.. तोर ए बात ले महूँ सहमत हौं .. सिरिफ ए माटी म जनम धरे भर ले ही कोनो कइसे माटी पुत्र हो सकथे?

-सहीआय.. अब ले तो एक मनखे ह इहाँ छठ पूजा म सार्वजनिक छुट्टी के परंपरा चालू करवा दिस त दूसर ह इहाँ बिहार तिहार के नेंव रच दिस.. अब तहीं बता अइसन मनला माटी पुत्र कहे जाना चाही या माटी के पुतला?

हूती पर कहर बनकर टूटा अमेरिका, यमन के हवाई अड्डे पर की एयर स्ट्राइक

हूती विद्रोहियों को मिटाने का ट्रंप ने संकल्प ले लिया है। कुछ दिनों पहले जब अमेरिका की सेना हूती विद्रोहियों पर ताबड़तोड़ हमला कर रही थी तो राष्ट्रपति ट्रंप मंजर को लाइव देख रहे थे। अमेरिका ने यमन के होदेइदाह शहर में हवाई अड्डे पर तीन हमले किए हैं। अमेरिकी सेना ने सादा के उत्तरी प्रांत के सहर और किताफ जिलों पर बमबारी की और मारिब के मध्य प्रांत पर पांच हवाई हमले किए। अमेरिकी सेना ने मारिब के माज्जर जिले को निशाना बनाकर पांच हवाई हमले किए। इस हमले में हूती नौसेना बल के कमांडर मंसूर अल-सादी घायल हो गया है।

ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि जब तक हूती विद्रोही अहम समुद्री गलियारे पर आने-जाने वाले मालवाहक पोतों पर अपने हमले बंद नहीं कर देते, तब तक वह 'पूरी ताकत से' हमले जारी रखेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था, "हमारे बहादुर सैनिक अमेरिकी जलमार्गों, वायु और नौसेना संपत्तियों की रक्षा करने, नौवहन की स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए आतंकवादियों के ठिकानों, उनके आकाओं और मिसाइल रक्षा तंत्र पर हवाई हमले कर रहे हैं।" उन्होंने कहा था, "कोई भी आतंकी ताकत अमेरिकी वाणिज्यिक और नौसैनिक पोतों को दुनिया के जलमार्गों पर स्वतंत्र रूप से आने-जाने से नहीं रोक पाएगी।" इससे पहले हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल से अटैक किया था। इजरायली मीडिया ने आईडीएफ के हवाले से बताया कि रविवार को यमन से आने वाली एक बैलिस्टिक मिसाइल को इजरायली एयरफोर्स ने हवा में ही इंटरसेप्ट करके नष्ट कर दिया।

कठघरे में मी-लार्ड

जस्टिस यशवंत वर्मा पर गिरी गाज CJI ने जुडिशियल वर्क छीना

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा से न्यायिक कार्य छीन लिए हैं. चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए एक 3-सदस्यीय कमेटी गठित की है. यह कमेटी इन-हाउस जांच का हिस्सा है. इस कमेटी में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागु, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज अनू शिवरामन शामिल हैं. CJI ने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया है कि जस्टिस वर्मा को कोई जुडिशियल वर्क न दिया जाए. यह कदम आरोपों की गंभीरता को देखते हुए उठाया गया है.

कैश रिकवरी का मामला

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जस्टिस वर्मा के घर में लगी आग से अनअकाउंटेड कैश बरामद हुआ. भारी मात्रा में नकदी कथित तौर पर तब मिली जब 14 मार्च की रात करीब 11.35 बजे जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित आवास में आग लग गई. दिल्ली अग्निशमन विभाग के कर्मियों को मौके पर पहुंचकर आग बुझानी पड़ी. दिल्ली अग्निशमन सेवा प्रमुख अतुल गर्ग ने अग्निशमन कर्मियों द्वारा नकदी मिलने के दावों का खंडन किया है.

घर के पास जले नोट बरामद

दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बरामद हुए नोटों के बंडल की चर्चा हर तरफ हो रही है। शनिवार (22 मार्च) को सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस और फायर ब्रिगेड से मिले सबूतों को अपनी वेबसाइट पर जारी किया। कोर्ट ने तस्वीरें और वीडियो जारी किए। इसी बीच जस्टिस यशवंत वर्मा के घर के पास से एक नया वीडियो सामने आया है। वीडियो में उनके घर के पास से जले हुए नोटों के नए सबूत मिले हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा को उनके पैरेंट हाईकोर्ट, इलाहाबाद हाईकोर्ट, वापस भेजने का फैसला किया था. हालांकि, शुक्रवार को हुई फुल कोर्ट मीटिंग में यह सुझाव दिया गया कि सिर्फ ट्रांसफर काफी नहीं है. जज के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जरूरत है. फुल कोर्ट ने सर्वसम्मति से इन-हाउस जांच का फैसला किया. ट्रांसफर को पहला कदम माना गया है. हालांकि, यह ट्रांसफर अभी सरकार से मंजूरी का इंतजार कर रहा है.

राउत ने भाजपा पर साधा निशाना

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से मिली भारी नकदी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा' के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं उन्हीं के शासन में हो रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस वर्मा के घर से 15 से 20 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई है। राउत ने इसे देश की न्यायपालिका पर गहरा धब्बा बताते हुए कहा कि यह न्याय व्यवस्था के भीतर मौजूद भ्रष्टाचार और दबाव की पोल खोलता है। रविवार को एक प्रेस वार्ता में राउत ने कहा, "सीजेआई ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है और दिल्ली पुलिस कमिश्नर द्वारा जस्टिस वर्मा

नौ महीने बाद अंतरिक्ष से लौटीं सुनीता पृथ्वी पर अब आसानी नहीं जिंदगी

सुनीता विलियम्स अपने साथी अंतरिक्ष यात्री के साथ अंतरिक्ष में 286 दिन रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आई हैं। सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर महज आठ दिनों के मिशन पर गए थे लेकिन तकनीकी समस्या के कारण यह मिशन नौ महीने तक फँसा रहा. यानी सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर अंतरिक्ष में 286 दिनों तक रहे. सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर दोनों नासा के चर्चित अंतरिक्ष यात्री हैं. नासा के मुताबिक़ मंगलवार को पृथ्वी पर लौटने से पहले इन्होंने पृथ्वी की 4,500 बार परिक्रमा की थी और 17,500 मील प्रति घंटा की गति से 12 करोड़ मील की यात्रा की.

लेकिन लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने का रिकॉर्ड रूसी अंतरिक्ष यात्री वलेरी पोल्याकोव के नाम है. न्यू मेक्सिको म्यूजिअम ऑफ स्पेस हिस्ट्री के अनुसार, वलेरी ने अंतरिक्ष में 437 दिन, 17 घंटे और 38 मिनट गुज़ारे थे. उन्होंने इस दौरान पृथ्वी की 7,075 बार परिक्रमा की थी. वलेरी पोल्याकोव ने मॉस्को इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल एंड बायोलॉजिकल प्रॉब्लम्स में एस्ट्रोनॉटिकल मेडिसिन की पढ़ाई की थी. अंतरिक्ष में मानव शरीर पर कैसा प्रभाव पड़ता है, उसकी स्टडी के लिए पोल्याकोव को काफ़ी अहम माना जाता है.

माइक्रोग्रेविटी का असर

62 साल के विलमोर और 59 साल की विलियम्स ने कहा है कि लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने से वे ख़ुश हैं. दोनों नेवी के रिटायर्ड कैप्टन हैं और इनके पास अंतरिक्ष का विशाल अनुभव है. सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर ने भले ही अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी कर ली है, लेकिन अभी सामान्य जीवन नहीं जी पाएंगे. अंतरिक्ष से वापसी के बाद एक मुकम्मल रिकवरी प्रक्रिया से गुज़रना होता है. दोनों को कैप्सुल से सीधे स्ट्रैचर पर लाया गया और मेडिकल निगरानी में भेज दिया गया था.

सुशांत की मौत से जुड़े 2 केस CBI ने किए बंद, कहा- नहीं मिला कोई ठोस सबूत

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े 2 मामलों को सीबीआई (CBI) ने बंद कर दिया है. सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट मुंबई की एक अदालत में दाखिल कर दी है. रिपोर्ट में कहा गया है कि सुशांत की मौत में किसी भी तरह की साजिश या आपराधिक षड्यंत्र के सबूत नहीं मिले हैं. सुशांत सिंह राजपूत के पिता के.के. सिंह ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि अदालत से जो भी फैसला आएगा, वह सही होगा और जल्द ही सच्चाई सामने आएगी. केके सिंह लंबे समय से कहते रहे हैं कि सुशांत की मौत आत्महत्या से नहीं हो सकती, उन्होंने सीबीआई की जांच पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि सीबीआई ने समय पर अपना काम नहीं किया.

14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत अपने बांद्रा स्थित फ्लैट में मृत पाए गए थे. उनकी मौत ने पूरे देश में सनसनी फैला दी थी और मामले की जांच मुंबई पुलिस से लेकर CBI तक पहुंची. मुंबई के कूपर अस्पताल में किए गए पोस्टमार्टम में मौत का कारण एस्फिक्सिया (दम घुटना) बताया गया था. सुशांत के पिता के.के. सिंह ने पटना में एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और अन्य लोगों पर आत्महत्या के लिए उकसाने, आर्थिक धोखाधड़ी और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए गए थे. इसके जवाब में रिया चक्रवर्ती ने मुंबई में एक काउंटर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें सुशांत की बहनों पर फर्जी मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन लेने का आरोप लगाया गया.

CBI ने अगस्त 2020 में केस अपने हाथ में लिया और कई वर्षों तक जांच जारी रखी. हालांकि, अब सीबीआई ने दोनों मामलों में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है, जो दर्शाता है कि उनकी जांच में सुशांत की मौत के लिए कोई आपराधिक साजिश या गलत काम सामने नहीं आया.

डेढ़ करोड़ खर्च करके जिंदा हो जाएगा मृत इंसान

क्रायोनिक्स तकनीक से डेड बॉडी को किया जा रहा फ्रीज

वैज्ञानिकों का मानना है कि मर चुके लोग दरअसल सिर्फ बेहोश हुए हैं और आने वाले वक्त में ऐसी तकनीक आ सकती है, जिससे इन लोगों को दोबारा से जिंदा किया जा सकेगा. ऐसे में क्रायोनिक्स तकनीक के जरिए इंसान के मृत शरीर को लंबे वक्त तक फ्रीज करना पड़ेगा. इसका चलन अब दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहा है. रिपोर्ट की मानें तो दुनियाभर में अभी तक करीब 600 लोगों ने क्रायोनिक्स के जरिए अपने प्रियजनों के शवों को फ्रीज करवाया है. इसका चलन रूस और अमेरिका में सबसे ज्यादा है. यहां करीब 300 लोगों ने शरीर को फ्रीज करवाया है.

कुछ कंपनियां ऐसा दावा कर रही हैं, कि वो मरे हुए लोगों को फिर से जिंदा कर सकती है. लेकिन इसके लिए शवों को लंबे वक्त तक फ्रीज करना पड़ेगा. इस तकनीक को क्रायोनिक्स नाम दिया गया है. एल्कोर क्रायोनिक्स नाम की कंपनी की मानें तो पूरी डेड बॉडी को सुरक्षित रखने की लागत 200,000 डॉलर यानि करीब 1.60 करोड़ रुपये बताई जाती है. कंपनी का कहना है कि हर साल इसे सुरक्षित रखने के लिए खर्च 705 डॉलर यानि 52,874 रुपये है.

भविष्य में फिर जिंदा हो सकेंगे मरे हुए इंसान?

ऑस्ट्रेलियाई कंपनी सदर्न क्रायोनिक्स ने कुछ वक्त पहले ऐसा दावा किया था कि वो इंसानों के मृत शरीर को -200 डिग्री सेल्सियस पर सुरक्षित रखेगी. अगर भविष्य में ऐसी तकनीक आई कि मृत इंसान को दोबारा जिंदा किया जा सके तो इन इंसानों को जिंदा किया जाएगा. हालांकि अमेरिका के साइंटिस्ट डॉ. आर. गिब्सन ने ऐसा स्पष्ट रूप से कहा है कि फिलहाल तो कोई ऐसी तकनीक नहीं बनी है, लेकिन इंसान इस उम्मीद में लोगों को फ्रीज करा रहे हैं कि भविष्य में शायद कोई ऐसी टेक्नोलॉजी आ जाए.

बांग्लादेश के हिंदू हमारी जिम्मेदारी, केन्द्र के प्रयासों से संघ संतुष्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेश के हिंदू भारत की जिम्मेदारी हैं। हम इस जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। हालांकि, शेख हसीना की सरकार के तख्ता पलट के बाद हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं से निपटने के लिए मोदी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से आरएसएस संतुष्ट है। बेंगलुरु में आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में पारित प्रस्ताव में मोदी सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास जारी रखने को कहा गया है। वहीं, आरएसएस ने भाजपा के साथ टकराव की अटकलों को खारिज कर दिया है। आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने साफ किया कि समाज और राष्ट्र के मुद्दों पर हम मिलकर काम करते हैं। बैठक में पारित प्रस्ताव की जानकारी देते हुए अरुण कुमार ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अन्याय, प्रताड़ना और हिंसा सिर्फ सत्ता परिवर्तन की वजह से नहीं हुआ है, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है। प्रस्ताव में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के पीछे बांग्लादेश की सरकार और संस्थाओं के समर्थन को लेकर गहरी चिंता जताई गई है।

ईशान ने बढ़ाई हैदराबाद की शान

किशन-हेड की आतिशी पारी से सनराईजर्स ने राजस्थान को हराया

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 44 रनों से हराकर आईपीएल 2025 सीजन की जीत से शुरुआत की है। हैदराबाद ने ईशान किशन के शतक और ट्रेविस हेड के ताबड़तोड़ अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 286 रन बनाए थे जो इस टूर्नामेंट का दूसरा सर्वोच्च टोटल है। जवाब में संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल ने अच्छी साझेदारी निभाई, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। राजस्थान की टीम निर्धारित ओवर में छह विकेट पर 242 रन ही बना सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान का यह आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर है, इसके बावजूद टीम सफलता हासिल नहीं कर सकी। राजस्थान का इससे पहले सर्वोच्च स्कोर 2020 में पंजाब किंग्स के खिलाफ शारजाह में 226 रन था। उन्होंने विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भरपूर प्रयास किया, लेकिन चुनौती इतनी बड़ी थी कि टीम इसमें सफल नहीं हुई। राजस्थान पर जीत के साथ ही गत उपविजेता टीम ने आईपीएल 2025 का विजयी आगाज किया है।

मैच में बने कुल 528 रन

हैदराबाद और राजस्थान के बीच इस मैच में कुल 528 रन बने। यह आईपीएल इतिहास में दूसरा सर्वोच्च एग्रिगेट है। आईपीएल में दोनों पारी मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनने का रिकॉर्ड हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के नाम है। आरसीबी और हैदराबाद के बीच पिछले साल बंगलुरू में खेले गए मैच में कुल 549 रन बने थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 50 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। सिमरनजीत सिंह ने एक ही ओवर में राजस्थान रॉयल्स को दो झटके दिए। राजस्थान की पारी का दूसरा ओवर डालने आए सिमरनजीत ने पहले यशस्वी जायसवाल को आउट किया और फिर कप्तान रियान पराग को पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने नीतीश राणा को आउट कर राजस्थान को तीसरा झटका दिया। शुरुआती झटके लगने के बाद इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने उतरे संजू सैमसने ने ध्रुव जुरेल के साथ मिलकर राजस्थान को संभाला। सैमसन ने जुरेल के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 111 रन जोड़े और टीम को मुश्किल से उबारा। सैमसन ने 26 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा। उनके ठीक बाद जुरेल ने भी 28 गेंदों पर पचासा पूरा किया। सैमसन और जुरेल जब बल्लेबाजी कर रहे थे तो लग रहा था कि राजस्थान आईपीएल इतिहास का सबसे सफल रन चेज कर सकती है, लेकिन सैमसन के आउट होते ही यह साझेदारी टूट गई।

चेन्नई की जीत में नूर बने हीरो

चेन्नई। नूर अहमद के चार विकेट रचिन रवींद्र और ऋतुराज गायकवाड़ की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को चार विकेट से हराकर जीत के साथ आगाज किया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 155 रन बनाए। जवाब में सीएसके ने 19.1 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में पहला मैच खेलने उतरी मुंबई को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। 2012 के बाद से मुंबई सत्र का पहला मुकाबला नहीं जीत पाई है। यह उनकी पहले मैच में लगातार 13वीं हार है। 156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई ने पहला विकेट दूसरे ही ओवर में खो दिया था। राहुल त्रिपाठी सिर्फ दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद मोर्चा रचिन रवींद्र और ऋतुराज गायकवाड़ ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 37 गेंदों में 67 रनों की साझेदारी हुई। कप्तान गायकवाड़ 53 रनों की दमदार पारी खेलकर लौटे।

इसके बाद चेन्नई की पारी लड़खड़ाई लेकिन सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए रवींद्र जडेजा ने स्थिति संभाली। उन्होंने रचिन रवींद्र के साथ 36 रनों की साझेदारी निभाई और टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। हालांकि, जीत से सिर्फ चार रन पहले ही रनआउट हो गए। इस मैच में शिवम दुबे ने नौ, दीपक हुड्डा ने तीन, सैम करन ने चार रन बनाए। वहीं, रचिन रवींद्र 65 और महेंद्र सिंह धोनी बिना खाता खोले नाबाद रहे। मुंबई के लिए इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर डेब्यू करने वाले विग्नेश पुथुर ने तीन विकेट झटके जबकि दीपक चाहर और विल जैक्स को एक-एक सफलता मिली।

इस हफ्ते 4 SME IPO हो रहे लॉन्च, इन कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। इस हफ्ते शेयर बाजार में SME सेगमेंट में कई आईपीओ लॉन्च होने जा रहे हैं, जबकि कुछ आईपीओ मार्केट में अपना डेब्यू करेंगे. इस दौरान, 3 SME IPO ओपन होंगे, जबकि 5 कंपनियां लिस्ट होंगी. ऐसे में आगामी सप्ताह में इन आईपीओ पर निवेशकों की कड़ी नजर रहेगी और ये मार्केट की चाल को प्रभावित करेंगे. Desco Infratech का IPO 24 मार्च से 26 मार्च तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने जा रहा है. कंपनी 30.75 करोड़ रुपये जुटाने का टार्गेट रखी है, जिसमें 20.50 लाख शेयरों की नई इश्यू पेश की जाएगी. इस आईपीओ का प्राइस बैंड 147 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर सेट किया गया है. लिथियम-आयन बैटरी सॉल्यूशंस बनाने वाली एक प्रमुख कंपनी ATC Energies System का आईपीओ 25 मार्च को ओपन होगा. कंपनी का टार्गेट 63.76 करोड़ रुपये फंड जुटाना है. इस आईपीओ में 54.03 लाख इक्विटी शेयर होंगे,। इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 112 रुपये से 118 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है और न्यूनतम लॉट साइज 1,200 शेयर होगा. वहीं, जयपुर स्थित क्रूड कैफीन प्रोसेसर श्री अहिंसा नेचुरल्स का आईपीओ भी 25 मार्च को लॉन्च होगा और 27 मार्च तक निवेश बोली लगा सकेंगे. कंपनी का लक्ष्य 73.81 करोड़ रुपये जुटाने का है, जिसमें 42.03 लाख शेयरों का फ्रेस इश्यू और 19.99 लाख शेयरों का OFS शामिल है. आईपीओ का प्राइस बैंड 113 रुपये से 119 रुपये प्रति शेयर के बीच रखा

हुंडई और होंडा भी बढ़ा रही हैं 1 अप्रैल से अपनी कारों के दाम

नई दिल्ली। देश की कई ऑटो कंपनियां अब तक अपनी कार की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान कर चुकी हैं. सबसे पहले मारुति सुजुकी द्वारा 1 अप्रैल 2025 से कार की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया गया. इसके बाद टाटा मोटर्स और किआ द्वारा भी कार की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया गया. अब दो और दिग्गज ऑटो कंपनियों द्वारा कार की कीमत में इजाफा करने का ऐलान किया गया है. यह ऑटो कंपनियां होंडा और हुंडई हैं. जापान की कार निर्माता कंपनी होंडा ने अपनी कार की कीमतों में इजाफा करने की घोषणा की है. यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी. कंपनी की तरफ से अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है कि कार की कीमतों में कितना प्रतिशत इजाफा होगा लेकिन यह बताया गया है कि अलग अलग वेरिएंट और मॉडल के हिसाब से कीमतों में अलग अलग इजाफा किया जाएगा. होंडा द्वारा कार की कीमतों में इजाफा करने का कारण इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और ऑपरेशनल एक्सपेंस बढ़ना है. अब हुंडई ने भी अपनी कार की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान कर दिया है. यह इजाफा 1 अप्रैल 2025 से लागू होगा, जिसमें सभी कारों की कीमत में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की जाएगी. कंपनी की तरफ से इस बढ़ोतरी का कारण इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी, कच्चे माल की कीमत में बढ़ोतरी और ऑपरेशनल एक्सपेंस का बढ़ना बताया गया है.

आईपीएल में ये रिकार्ड होंगे चकनाचूर

नई दिल्ली। इस आईपीएल सीजन में कई रिकॉर्ड तोड़ने वाले मोमेंट तमाम क्रिकेट फैन्स को देखने को मिलेंगे. यहां कुछ प्रमुख कीर्तिमानों पर नजर डाल लेते हैं. जिन्हें अगले दो महीनों में हासिल किया जा सकता है. यह टूर्नामेंट 65 दिनों तक खेला जाएगा और इसमें कुल 74 मुकाबले होंगे. एमएस धोनी को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए 19 रन की जरूरत है. वर्तमान में सुरेश रैना के पास 4687 रनों के साथ यह रिकॉर्ड है. बुमराह को आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने के लिए छह और विकेटों की जरूरत है. अगर वह वहां पहुंचते हैं, तो वह लसिथ मलिंगा (170 विकेट) को पीछे छोड़ देंगे, जो एक दशक से अधिक समय से इस लिस्ट में टॉप पर हैं. रवींद्र जडेजा IPL में CSK के लिए अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से आठ विकेट दूर हैं और वह ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ देंगे जो फ्रेंचाइजी के लिए 140 विकेट के साथ सूची में शीर्ष पर हैं. इस सीजन में चार और 50 से अधिक स्कोर बनाने पर कोहली आईपीएल में सबसे अधिक फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वालों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच जाएंगे. वर्तमान में रिकॉर्ड फिलहाल डेविड वॉर्नर के नाम है, जिन्होंने लीग में 66 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाए हैं. धोनी इस सीजन में छह और कैच या स्टम्प करते हैं, तो उनके विकेट के पीछे शिकारों की संख्या 200 हो जाएगी.

1 अप्रैल से लागू होगी UPS स्कीम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 1 अप्रैल से एकीकृत पेंशन योजना या यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) शुरू करने जा रही है, ये विशेष रूप से उन कर्मचारियों के लिए फायदेमंद है जो रिटायरमेंट के बाद एक निश्चित आय चाहते हैं. गौरतलब है कि सरकार ने बीते 24 जनवरी को राष्ट्रीय पेंशन सिस्टम (NPS) के ऑप्शन के तौर पर यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) का आधिकारिक ऐलान किया था और अब इस योजना को 1 अप्रैल 2025 से लागू किया जाएगा. UPS सिर्फ और सिर्फ सरकारी कमचारियों के लिए लागू होगा, जो पहले से ही NPS के तहत रजिस्टर्ड हैं. सरकारी कर्मचारियों के पास विकल होगा कि वे NPS या UPS में से किसी एक को चुन सकते हैं. आइए जानते हैं इसका लाभ कैसे मिलेगा?

सरकारी योगदान कितना होगा?

न्यू पेंशन स्कीम (NPS) में कर्मचारी को अपनी बेसिक सैलरी का 10 फीसदी कॉन्ट्रिब्यूट करना होता है और इसमें सरकारी कॉन्ट्रिब्यूशन 14 फीसदी होता है. वहीं 1 अप्रैल 2025 से लागू होने जा रही UPS में सरकार का ये कॉन्ट्रिब्यूशन या अंशदान कर्मचारी की बेसिक सैलरी का 18.5 फीसदी होगा. इस यूनिफाइड पेंशन स्कीम को लागू किए जाने से करीब 23 लाख कर्मचारियों को लाभ पहुंचने वाला है और सरकारी खजाने पर बढ़ने वाला अतिरिक्त बोझ पहले साल 6250 करोड़ रुपये होगा.

यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) क्या है?

यूपीएस के तहत अब केंद्रीय कर्मचारियों को एक निश्चित पेंशन दी जाएगी, जो कर्मचारी के रिटायरमेंट के पहले के आखिरी 12 महीने की ऐवरेज बेसिक सैलरी का 50% होगा. कर्मचारी को यह पेंशन पाने के लिए कम से कम 25 साल तक सर्विस करनी होगी. वहीं अगर कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है तो परिवार को भी एक निश्चित पेंशन मिलती रहेगी, जो उसे मिलने वाली पेंशन का 60 फीसदी होगा. इसके अलावा, मिनिमम एश्योर्ड पेंशन भी दिया जाएगा।

खाड़ी देशों से भारत में आया पैसा

नई दिल्ली। भारत में हर साल विदेशों से कितना पैसा आ रहा है और किन देशों से आ रहा है, इस पर अक्सर चर्चा होती रहती है. दरअसल, इन्हीं पैसों से पता चलता है कि विदेशों में कितने भारतीय प्रवासी रहते हैं. RBI ने अपनी बुलेटिन में इसी से जुड़े आंकड़े जारी किए हैं, जिससे पता चलता है कि भारत में साल 2023-24 में कुल 118.7 अरब डॉलर आए.

RBI बुलेटिन 2025 के अनुसार, 2023-24 में भारत भेजे गए कुल धन में खाड़ी सहयोग परिषद, जिनमें, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, ओमान और बहरीन शामिल हैं, की हिस्सेदारी करीब 38 फीसदी रही. यानी भारत आए कुल विदेशी पैसे 118.7 बिलियन डॉलर का 38 फीसदी, इन्हीं खाड़ी देशों से आया है. अब अगर हम 118.7 बिलियन डॉलर का 38 फीसदी निकालें तो वो 45.10 बिलियन डॉलर होगा. अब जब हम इसे भारतीय रुपयों में कनवर्ट करेंगे तो ये 3,896.3 बिलियन भारतीय रुपया होगा. खाड़ी देशों, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, ओमान और बहरीन में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) भारत में पैसे भेजने के मामले में नंबर 1 है. यानी कि यूएई में रहने वाले प्रवासी भारतीय अपने देश में अन्य खाड़ी देशों में रहने वाले प्रवासियों के मुकाबले ज्यादा पैसे भेजते हैं. आपको बता दें, 2020-21 में भारत में भेजे गए कुल रेमिटेंस में यूएई की हिस्सेदारी 18 फीसदी थी, जो 2023-24 में बढ़कर 19.2 फीसदी हो गई. दरअसल, यूएई भारतीय प्रवासी श्रमिकों का सबसे बड़ा केंद्र है. इसके अलावा, यहां ज्यादातर प्रवासी निर्माण उद्योग, स्वास्थ्य सेवा, हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म सेक्टर में काम करते हैं. हालांकि, संयुक्त अरब अमीरात खाड़ी देशों के मामले में नंबर 1 है. लेकिन, जब आप दुनियाभर के देशों की लिस्ट निकालकर देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि रेमिटेंस के मामले में अमेरिका नंबर 1 पर है. यानी अमेरिका से सबसे ज्यादा पैसा भारत आता है. RBI के मार्च 2025 बुलेटिन में 'भारत के प्रेषण की बदलती गतिशीलता' में पता चलता है कि 2023-24 में भारत भेजे गए कुल पैसे में सबसे अधिक 27.7 फीसदी हिस्सेदारी अमेरिका की है।

एसएससी-सीजीएल की परीक्षा में सरगुजा के शुभम ने किया टॉप

पहली बार छत्तीसगढ़ से इस परीक्षा में किसी अभ्यर्थी ने मारी बाजी

सरगुजा/रायपुर (शहर सत्ता)। कौन कहता है आसमान में सुराख नहीं होता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों। इस बात को सच साबित किया है सरगुजा के लाल शुभम अग्रवाल ने उन्होंने एसएससी-सीजीएल की परीक्षा में भारत में पहला स्थान हासिल किया है।

शुभम ने पहले ही प्रयास में टॉप करते हुए पहला रैंक हासिल किया है। शुभम विदेश मंत्रालय में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर (एएसओ) की पोस्ट ज्वाइन करेंगे। शुभम अग्रवाल ने तीन बार यूपीएससी की परीक्षा दी, लेकिन सफलता नहीं मिली तो उन्होंने एसएससी-सीजीएल की परीक्षा दी। शुभम अग्रवाल ने कहा कि प्रतिभागी हमेशा पूरी लगन से पढ़ाई करें तो सफलता जरूर मिलेगी। सरगुजा के कुंडला सिटी में रहने वाले शुभम को स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एसएससी-सीजीएल) 2024 की दो चरणों में हुई परीक्षा में एआईआर फर्स्ट रैंक मिला है। शुभम के पिता मुकेश अग्रवाल व्यवसायी हैं। शुभम कुंडला सिटी में ही ट्यूशन क्लास चलाते हैं। पहली बार उन्होंने एसएससी की परीक्षा दी थी। बड़ी बात यह है कि इससे पहले छत्तीसगढ़ से किसी भी छात्र ने एसएससी जैसी परीक्षा में देश में टॉप नहीं किया था। इस बार सरगुजा के युवा ने इस सपने को भी सच कर दिया है।

कुंडला के हैं निवासी

सूरजपुर जिले में दूरस्थ क्षेत्र भैयाथान में रहने वाले शुभम अब शहर के कुंडला सिटी में रहते हैं। उन्होंने एसएससी-सीजीएल परीक्षा में सफलता हासिल की है। शुभम स्टाफ सिलेक्शन कमीशन कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल परीक्षा 2024-25 में शामिल हुए थे। 9 से 26 सितम्बर 2024 तक हुई टियर 1 की परीक्षा में शुभम ने सफलता हासिल की। इस दौरान टियर 1 की परीक्षा में 19 लाख छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया था, जबकि टियर 2 की परीक्षा में 1 लाख 65 हजार से अधिक छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। 18 से 20 जनवरी तक हुई परीक्षा में शुभम ने 390 में से कुल 383 अंक हासिल कर देश में प्रथम स्थान हासिल करने में सफलता पाई है। शुभम की प्रारंभिक शिक्षा की बात की जाए तो वह कुछ इस प्रकार रही। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सूरजपुर जिले के भैयाथान नेहरु बाल विद्या मन्दिर से की थी, जबकि सूरजपुर ग्लोबल पब्लिक स्कूल से उन्होंने कक्षा 9वीं और 10वीं की पढ़ाई पूरी की। भैयाथान शासकीय स्कूल से उन्होंने 11वीं 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के साथ ही रायपुर एनआईटी रायपुर से स्नातक की शिक्षा हासिल की।

परिवार में खुशी

उनकी इस सफलता से परिवार के साथ ही जिले वासियों में हर्ष का माहौल है। अम्बिकापुर की मेयर मंजूषा भगत भी शुभम के घर पहुंची और उनको शुभकामनाएं दी। शुभम अग्रवाल के पिता मुकेश अग्रवाल पेशे से व्यवसायी है। शुभम ने इस उपलब्धि के लिए अपने माता-पिता,भाई, धर्मपत्नी के साथ साथ अपने गुरुजन को श्रेय दिया है। एसएससी 2024 में 18 हजार पदों के लिए 19 लाख प्रतिभागियों ने परीक्षा दी थी। शुभम अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने स्वयं अध्ययन किया। शुभम अग्रवाल को यह सफलता एक झटके में नहीं मिली है, बल्कि इसके लिए उन्हें सात से आठ सालों तक संघर्ष करना पड़ा। यूपीएससी की परीक्षा में तीनों बार प्री एग्जाम में सफलता मिली, लेकिन आगे नहीं बढ़ सके, तो एसएससी की परीक्षा देने का निर्णय लिया।

यूपीएससी की भी तैयारी की

इस दौरान उन्होंने यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी, शुभम ने बताया कि वे वर्ष 2017 से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने यूपीएससी की प्री परीक्षा उत्तीर्ण की लेकिन इसके बाद उन्होंने स्टाफ सलेक्शन कमीशन कंबाइंड ग्रेजुएट लेबल परीक्षा में भाग्य आजमाने का निर्णय लिया। महज छह माह की कड़ी मेहनत के जरिए उन्होंने सफलता हासिल की। परीक्षा में सफलता हासिल करने के बाद उन्हें भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर का पद मिला है, वे जल्द भी एएसओ की पोस्ट पर अपना पदभार ग्रहण करेंगे।

CGMSC में सप्लाई और खरीदी में भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तारियां शुरू, खुलेंगे कई राज

रायपुर (शहर सत्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और आर्थिक अपराध शाखा (एसीबी और ईओब्ल्यू) ने छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन में कथित घोटाले को लेकर पांच पूर्व अधिकारियों को अरेस्ट किया है। साल 2023 का यह घोटाला बताया जा रहा है। एसीबी और ईओडब्ल्यू का कहना है कि साल 2023 में चिकित्सा उपकरण और अभिकर्मक रसायनों की खरीद में कथित अनियमितता पर यह एक्शन लिया गया है।

किन लोगों की हुई गिरफ्तारी?

इस एक्शन पर EOW और ACB के एक अधिकारी ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि सीजीएमएससी में तत्कालीन पदस्थ बसंत कुमार कौशिक, छिरोद रौतिया, कमलकांत पाटनवार, डॉ. अनिल परसाई और दीपक कुमार बांधे को शुक्रवार रात गिरफ्तार किया गया।

जांच एजेंसी ने क्या कहा ?

इस कथित घोटाले में एक्शन के बाद जांच एजेंसी ने कहा कि बसंत कुमार कौशिक उस समय अहम पद पर थे। वे सीजीएमएससीएल के प्रभारी महाप्रबंधक, उपकरण और उप प्रबंधक, क्रय एवं संचालन के पद पर तैनात थे। इसके अलावा छिरोद रौतिया और दीपक कुमार बांधे बायोमेडिकल इंजीनियर के पद पर तैनात थे। कमलकांत पाटनवार उस समय उप प्रबंधक, उपकरण और परसाई उप निदेशक, स्टोर थे।

किन धाराओं के तहत हुई कार्रवाई?

ईओडब्ल्यू की तरफ से कहा गया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात), 120 (बी) (आपराधिक साजिश) के अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है। पांचों आरोपियों को शनिवार को विशेष एसीबी/ईओडब्ल्यू अदालत में पेश किया गया। विशेष न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने एजेंसी को 28 मार्च तक उनकी सात दिन की हिरासत रिमांड की मंजूरी दी है।

घोटाले में कब कब हुआ एक्शन?

22 जनवरी को एसीबी/ईओडब्ल्यू ने सीजीएमएससीएल (रायपुर) और स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के अधिकारियों के साथ-साथ चार फर्मों पर केस दर्ज किया गया। इसमें मोक्षित कॉरपोरेशन (दुर्ग), सीबी कॉरपोरेशन (दुर्ग), रिकॉर्ड्स एंड मेडिकेयर सिस्टम एचएसआईआईडीसी (पंचकुला, हरियाणा) और श्री शारदा इंडस्ट्रीज (रायपुर) और अन्य के खिलाफ सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाने का केस दर्ज हुआ है। इस केस में पहले मोक्षित कॉरपोरेशन के निदेशक शशांक चोपड़ा को 29 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। एसीबी/ईओडब्ल्यू ने पहले कहा था कि कथित घोटाले में स्वास्थ्य केंद्रों में इन वस्तुओं की आवश्यकता/उपलब्धता सुनिश्चित किए बिना अभिकर्मकों और उपकरणों की खरीद शामिल थी।

जवानों से रूबरू हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा बीजापुर पहुँचकर गंगालूर क्षेत्रान्तर्गत अंडरी के जंगलों में पुलिस और माओवादियों के साथ हुए मुठभेड़ में शामिल सुरक्षा बलों के जांबाज जवानों से बीजापुर जिले के रक्षित केंद्र में मुलाकात की और उनके साहसिक और सफल ऑपरेशन की सराहना कर उनका हौसला बढ़ाया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों की भुजाओं की ताकत के बदौलत आज मैं सड़क मार्ग से बीजापुर आया हु। इसके पूर्व कोई भी गृहमंत्री सड़क मार्ग से बीजापुर नही आये। गौरतलब है कि 20 मार्च को हुए इस मुठभेड़ में 14 महिला माओवादी सहित कुल 26 वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद । शिनाख्त माओवादियों में डिवीसीएम, एसीएम, पीपीसीएम और पीएलजीए सदस्य शामिल थे। इस मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में एके 47, एसएलआर, इंसास रायफल, 303 रायफल, रॉकेट लॉचंर, बीजीएल लांचर हथियार समेत विस्फोटक पदार्थ, दवाईया, माओवादी वर्दी, साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद हुआ। बस्तर रेंज में तैनात डीआरजी, एसटीएफ, बस्तर फाइटर, कोबरा, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी सीएएफ और अन्य समस्त सुरक्षा बल सदस्यों द्वारा मजबूत मनोबल एवं स्पष्ट लक्ष्य के साथ बस्तर क्षेत्र की शांति, सुरक्षा व विकास हेतु समर्पित होकर कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2025 में बस्तर संभाग अंतर्गत सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी रूप से प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के विरूद्ध माओवादी विरोधी अभियान संचालित किये जाने के परिणाम स्वरूप विगत 80 दिनों में कुल 97 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किये गये। जिसमें जिला- बीजापुर में विगत 80 दिनों में 82 माओवादियों का शव बरामद हुआ है ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने देखी "छावा"

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नवा रायपुर स्थित आईपी क्लब के मिनी थिएटर में मराठा काल के स्वर्णिम इतिहास पर आधारित फिल्म "छावा" देखने पहुँचे। यह फिल्म वीर राष्ट्रनायक छत्रपति शिवाजी महाराज के पराक्रमी पुत्र संभाजी महाराज के जीवन, संघर्ष और बलिदान पर आधारित है। फिल्म प्रदर्शन के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संभाजी महाराज ने देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। घोर यातनाओं और कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। 'छावा' फिल्म ने उनके अद्भुत जीवन और बलिदान को अत्यंत सजीव और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने "छावा" फिल्म को राज्य में टैक्स फ्री किया है ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रेरक इतिहास से अवगत हो सकें। इस अवसर पर राज्य के वन मंत्री श्री केदार कश्यप, विधायक श्री अनुज शर्मा, तथा श्री सम्पत अग्रवाल भी उपस्थित थे और फिल्म के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की इस गौरवशाली गाथा का साक्षात्कार किया। उल्लेखनीय है कि फिल्म में मराठा-मुगल संघर्ष और भारत के इतिहास को एक नई दृष्टि से दर्शाया गया है।

सुशासन का सूर्योदय

बीजापुर के तिमेनार में पहली बार पहुंची बिजली

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के अति सुदूर गांव तिमेनार में मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना के तहत आजादी के 77 वर्षों बाद पहली बार बिजली पहुंची। यह ऐतिहासिक उपलब्धि माओवादी आतंक के अंधकार : को चीरकर विकास, अमन और शांति के नए सबेरे की ओर कदम बढ़ाने का प्रतीक है। तिमेनार में अब भय की जगह उजाला और आतंक की जगह उम्मीद ने ले ली है। गांव के 53 घरों में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा कर लिया गया है, जिससे पूरे गांव में हर्ष और उल्लास का माहौल है। बीजापुर जिले के अति सुदूर गांव तिमेनार में मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना के तहत आजादी के 77 वर्षों बाद पहली बार बिजली पहुंची। भैरमगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेचापाल के आश्रित गांव तिमेनार के निवासियों ने पीढ़ियों तक बिजली की रोशनी नहीं देखी थी। अब, जब शासन-प्रशासन ने इन दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंच बनाकर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना शुरू किया है, तो ग्रामीणों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का सपना साकार हो रहा है।

मत्स्य पालन में देश में बढ़ता छत्तीसगढ़ का प्रभाव

मछली पालन की तकनीक सीखने ओडिशा और उत्तरप्रदेश से आए मत्स्य पालक दल

उन्नत मत्स्य फार्मिंग मॉडल का प्रदर्शन

मत्स्य कृषकों के दल ने 19 मार्च को महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखंड के ग्राम बुरकोनी पहुंचा, जहां 24 हेक्टेयर में श्री अब्दुल जमील द्वारा संचालित एस.एफ. फिश फार्म का अवलोकन किया गया। इस उन्नत इकाई में पंगेसियस मत्स्य पालन के साथ-साथ देशी मुर्गी पालन, बकरी पालन तथा फल-सब्जी की खेती भी की जा रही है, जिससे बहुआयामी आय हो रही है।

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मत्स्य पालन के क्षेत्र में हो रहे नवाचार और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते छत्तीसगढ़ का राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव बढ़ा है। राज्य को एक नई पहचान मिली है। यही वजह है कि मछली पालन की अत्याधुनिक तकनीक और गतिविधियों को देखने और सीखने के लिए अन्य राज्यों के मत्स्य पालक छत्तीसगढ़ के अध्ययन भ्रमण पर आने लगे है। अभी 18 मार्च से ओडिशा और उत्तर प्रदेश के मत्स्य पालकों के दल छत्तीसगढ़ के दौरे पर आया हुआ है। मत्स्य पालकों का दल मछली विभाग के अधिकारियों के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों का दौरा कर मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीक सीख रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य के चार दिवसीय अध्ययन भ्रमण के दौरान ओडिशा के कालाहांडी जिले के 18 एवं नुआपाड़ा जिले के 12 कृषकों का दल तथा प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) के 20 मत्स्य पालक आए हुए हैं। मत्स्य पालक दल ने छत्तीसगढ़ में मत्स्य पालन आधुनिक तकनीक एवं गतिविधियों, हैचरी प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज, आईस प्लांट, मध्यम स्केल सजावटी मछली पालन इकाइयों, बीज उत्पादन और विपणन प्रक्रियाओं का गहन अध्ययन अवलोकन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि मत्स्य पालक की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य बीज उत्पादन के मामले पूर्णतः आत्मनिर्भर और देश में छठवें स्थान पर है। छत्तीसगढ़ राज्य अपने पड़ोसी राज्यों को बड़ी मात्रा में मत्स्य बीज का निर्यात करता है। बीते 14 महीनों में राज्य में मत्स्य बीज उत्पादन में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मत्स्य बीज उत्पादन 418.07 करोड़ से बढ़कर वर्तमान में 572.63 करोड़ हो गया है।

कोल्ड स्टोरेज, आईस प्लांट का भ्रमण

ओडिशा और उत्तरप्रदेश के मत्स्य पालकों के दल ने 18 मार्च को रायपुर जिले के धरसींवा विकासखंड स्थित खमतराई में 50 टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज का अवलोकन किया, जो प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत अनुदान सहायता से विकसित किया गया है। इसके बाद भनपुरी में स्थित 50 मेट्रिक टन क्षमता के आईस प्लांट का भी दल ने अवलोकन अध्ययन किया। इसके पश्चात् दल ने बनरसी स्थित ऑरनामेंटल फिश यूनिट का भी निरीक्षण किया।

मुख्य तकनीकी परीक्षक ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

रायपुर। मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) आर. पुराम के नेतृत्व में टीम बिलासपुर सहित मुंगेली और जीपीएम जिले में विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे कई निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच की और प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए सेंपल भी लिए।

मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) की टीम ने सर्वप्रथम डिस्ट्रिक्ट कोर्ट बिल्डिंग का मुआयना किया ।भवन में प्रयुक्त किये जा रहे सामग्रियों के परीक्षण हेतु नमूने एकत्र किया ,जिसे रायपुर के प्रयोगशाला में जांच कर संबंधित विभाग को रिपोर्ट प्रेषित किया जाएगा ।नमूने के रूप में मुख्य रूप से इस्तेमाल किया जा रहे ईंट, छड़ और स्टील के नमूने लिए गए। भवन में कालम तथा कंक्रीट की गुणवत्ता की जांच एनडीटी उपकरणों के द्वारा किया गया। प्रत्येक तल में बीम और कालम का परीक्षण किया गया, जिसका रिपोर्ट मानक स्तर पर पाया गया। स्थल पर स्थापित लैब का भी निरीक्षण सतर्कता परीक्षा द्वारा किया गया।

सुरक्षा उपकरण सूची ठेकेदार से ली गई। कब-कब कैलिब्रेशन किया गया, इसकी जानकारी भी ली गई। ठेकेदारों द्वारा नियुक्त तकनीकी अमलों की सूची भी ली गई। स्थल पर सुरक्षा के लिए प्रयुक्त सामग्रियों की सूची मांगी गई। भवन में उपयोग हो रहे ऑटो क्लव्ड ईंट और कंक्रीट ब्लॉक के संबंध में जानकारी ली गई। इस ब्लॉक का टेस्ट जो निर्माण कर रहा है, उसके रिपोर्ट को रख रखे जाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि तिल्दा स्थित इस कंपनी के कारखाने में जाकर ब्लॉकों का परीक्षण करें।

हाथियों के प्रति नकारात्मक धारणा बदलने की जरूरत

रायपुर। छत्तीसगढ़ वन विभाग ने हाथियों के प्रति समाज में व्याप्त नकारात्मक धारणा को लेकर चिंता व्यक्त की है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रेम कुमार ने कहा कि समाचार पत्रों और अन्य मीडिया माध्यमों में 'आतंकी, उत्पाती, हत्यारा, हिंसक, पागल, बिगड़ैल, जिद्दी' जैसे नकारात्मक शब्दों का उपयोग किया जाता है, जिससे समाज में हाथियों के प्रति भय और नकारात्मकता बढ़ती है। यह प्रवृत्ति मानव-हाथी सह-अस्तित्व के प्रयासों को प्रभावित करती है। भारत में हाथी सिर्फ एक वन्यजीव नहीं, बल्कि संस्कृति, धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं का अभिन्न हिस्सा है।र सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है। हाथी को 'कीस्टोन प्रजाति' एवं 'ईको-सिस्टम इंजीनियर' भी कहा जाता है, क्योंकि वे वनों के पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हाथी-मानव के मधुर संबंध के प्रमाण

छत्तीसगढ़ के इतिहास में हाथियों का मनुष्य के साथ घनिष्ठ संबंध रहा है। बस्तर के 11वीं शताब्दी के ताम्रपत्रों, मुगलकालीन अभिलेखों और ब्रिटिश शासनकाल के गजेटियरों में इसका विस्तृत उल्लेख मिलता है। अकबर के दरबारी लेखक अबुल फजल की 'आईने-अकबरी' और कलचुरी राजाओं के शासनकाल के अभिलेखों में भी छत्तीसगढ़ के हाथियों और मनुष्यों के पारस्परिक संबंधों का प्रमाण मिलता है।

रायपुर सेंट्रल जेल में शिक्षा की नई पहल

रायपुर। साक्षरता से शिक्षा, शिक्षा से ज्ञान उसी से होगा आत्म उत्थान। रायपुर सेंट्रल जेल में शिक्षा सत्र 2024-25 में पहली कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई करने वाले 291 कैदी है जो नियमित पढ़ाई कर रहे हैं। इन सभी कक्षाओं की परीक्षा के लिए संबंधित शिक्षा संस्थानों, बोर्ड और विश्वविद्यालय ने रायपुर सेंट्रल जेल में परीक्षा केंद्र भी बना लिया है। इस तरह से शिक्षा के क्षेत्र में रायपुर सेंट्रल जेल ने यह उपलब्धि हासिल की है। उम्मीद है कि यहां शिक्षा प्राप्त करने के बाद कैदियों में शायद ही अपराध करने की प्रवृत्ति दोबारा आएगी, जहां सभी नये-पुराने पाठ्यक्रमों में सैकड़ों कैदी पढ़ाई कर रहे हैं।

रायपुर सेंट्रल जेल में सैकड़ो बंदियों की जिंदगी को शिक्षा के माध्यम से बदलने का प्रयास किया जा रहा है। यहां भारत साक्षरता मिशन अंतर्गत (उल्लास) 39 बंदी परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। प्राथमिक व माध्यमिक कक्षा में 72 से ज्यादा कैदी पढ़ाई कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ ओपन हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा में 68 बंदी परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। बीए और एमए में 100 से ज्यादा कैदी है। समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, हिंदी साहित्य अंग्रेजी साहित्य, लोकप्रशासन सहित अनेक विषयों पर कैदी पीजी कर रहे हैं। 68 कैदी संस्कृत के अनेक विषयों में पढ़ाई कर रहे हैं। इसी तरह इग्नू के अनेक पाठ्यक्रमों में सैकड़ों कैदी अध्ययनरत है। यहां इन कक्षाओं से संबंधित 11 हजार 663 पुस्तकें भी पुस्तकालय में रखी गई है। जेल शिक्षकों के अलावा विभिन्न महाविद्यालय के प्राध्यापकों के द्वारा तथा समय-समय पर विषय विशेषज्ञ के द्वारा पाठ्यक्रम अनुसार कैदियों को मार्गदर्शन दिया जाता है। साथ ही प्रत्येक बैरक में कैदियों को शिक्षा देने के लिए दो-दो कैदियों को सांकेतिक साक्षरता सेना (देखरेख) के रूप में नियुक्त किया गया है।

जेल अधीक्षक श्री अमित शांडिल्य ने बताया कि जेल में कैदियों को शिक्षित करने के लिए अनेक पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में रायपुर सेंट्रल जेल सतत् काम कर रही है। शिक्षा सुविधा के मामले में तिहाड़ के बाद रायपुर सेंट्रल जेल है, जहां सैकड़ों कैदी पीजी की पढ़ाई कर रहे हैं।

विधानसभा में गलत जानकारी दी, फॉरेस्ट के अफसर-कर्मी निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र 2025 के दौरान विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश द्वारा इंदिरा निकुंज माना रोपणी में संचालित श्री कुंवारादेव महिला स्व सहायता समूह के कार्य संचालन के संबंध में विभाग द्वारा सदन में गलत जानकारी प्रस्तुत करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इसकी जांच और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव को दिए थे। वन मंत्री श्री कश्यप के निर्देश के परिपालन में प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव की अध्यक्षता में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री नावेद शुजाउद्दीन तथा मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त, रायपुर, राजू अगासिमनी एवं टीम के अन्य सदस्यों द्वारा इस मामले की जांच की गई, जिसमें तथ्य को छुपाने एवं गलत जानकारी प्रस्तुत करने के मामले में दोषी अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की गई।

उक्त मामले में रायपुर वनमंडल के रायपुर परिक्षेत्र अधिकारी सतीश मिश्रा, माना नर्सरी प्रभारी वनपाल तेजा सिंह साहू, वनमंडल कार्यालय के सहायक ग्रेड-02 अविनाश वाल्दे और प्रदीप तिवारी, परिक्षेत्र कार्यालय के सहायक ग्रेड-03 अजीत डडसेना को निंलबित कर दिया गया है।

काजल सोनबेर

लाइट, साउंड, कैमरा, एक्शन....इन चार शब्दों में ही अपनी जिंदगी की खुशियां और ख्वाबों को सच करने के लिए छत्तीसगढ़ की प्रतिभाशाली युवा अभिनेत्री ने पत्रकारिता से लेकर फ़िल्म और क्षेत्रीय भाषा में गानों के हिट एल्बम देकर खुद को साबित किया है। सुश्री काजल सोनबेर का एक ही सपना था वो कैमरे के सामने रहें, दिखें और लोग उनकी सराहना करें। इसलिए पत्रकारिता से छालीवुड तक का कठिन सफर शुरू किया और आखिरकार अपने ख्वाबों को सच करके युवाओं के लिए एक आदर्श भी प्रस्तुत किया। सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक पत्रकारिता के दौर में एंकर की भूमिका को बखूबी निभाया और अब पत्रकारिता से निकल कर ख़ुद को इंडस्ट्रीज में स्थापित करके दिखाया। काजल अपनी कामयाबी का सारा श्रेय मम्मी पापा और पूरे परिवार को देती हैं। उन्होंने म्यूजिक वीडियोसे अपना फ़िल्मी सफर शुरू किया। काजल की कामयाबी में जितना उनके परिवार का सहयोग समर्थन रहा उतना ही उनके गुरु जी शिबू चटर्जी का आशीर्वाद मिला। काजल को आने वाली फ़िल्में 'जान लेबे का', 'असुर' से बड़ी उम्मीदें है। उनकी नई फिल्म हालिया रिलीज हुई है जिसका नाम है 'मया के पाती।' काजल स्वर्णबेर दो वर्षों तक पत्रकारिता से भी जुडी रहीं। सात साल पत्रकारिता की पढ़ाई (बीएससी, एमएससी) इलेक्ट्रॉनिक मिडिया में पूरी करने के साथ फिल्मी दुनिया के लिए भी रास्ता तलाशना शुरू कर दिया था। उनका उद्देश्य है छत्तीसगढी भाखा, संस्कार, परिधान और पहचान को आगे बढ़ाने की कोशिश करती रहेंगी।

शहरसत्ता के कला समीक्षक पूरन किरी की प्रस्तुति

दिक्षा जायसवाल

मेरे पिता को अपने जमाने में अभिनेता बनने का शोक था, लेकिन वित्तीय समस्याओं के कारण वो नहीं कर पाए। उनका सपना मैं पूरा कर रही हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है। क्लासिकल कथक डांस से लिया था जब तीन साल की थी अब मुझे 15 साल हो गए कथक करते, मैंने वेस्टर्न डांस का कोर्स, एक्टिंग कोर्स, थिएटर और सिंगिंग भी की है। अब तक 9 फिल्मों में काम किया है और मैं बेहद खुश हूं कि हर प्रोजेक्ट बेहतरीन रहा और वह भी इस इंडस्ट्री के अद्भुत निर्देशकों के साथ। मैंने इन सभी लोगों के साथ कई अलग-अलग चीजें सीखी हैं और अनुभव प्राप्त किया है। उनके साथ काम करना अद्भुत था। मोर छैंहा भुइयां 2 मेरे लिए आधार बनाने का सबसे बड़ा अवसर रहा है। मेरी पहली डेब्यू फिल्म बी.ए. फाइनल ईयर है। उस फिल्म ने मुझे सीजी इंडस्ट्री में उचित आधार दिया है। प्रणव झा फिल्म प्रोडक्शन पहले से ही एक हिट बैनर है और यह फिल्म भी एक हिट सीक्वल है। जब यह फिल्म रिलीज होगी तो मुझे उम्मीद है कि मैं आप सभी को बता सकुंगी और अपने द्वारा निभाए गए इस किरदार को न्याय दे सकुंगी | छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग काई मायनों में बढ़ रही है ये सिलसिला 20 साल पहले शुरू हुआ था और तब से आज तक बहुत बड़ा अंतर है। दीक्षा की इन फिल्मों में बीए. अंतिम वर्ष, मोर छैंहा भुइयां टू, डार्लिंग प्यार झुकता नहीं टू, सुकवा, आखिरी फैसला, गुइयां टू, मोर छैंहा भुइयां 3, जान लेबे का, सोनझारी प्रमुख हैं। कुछ फ़िल्में बनकर तैयार हैं बस रिलीज डेट आनी बाकी है।

हेमा शुक्ला

मेरे करियर की शुरुआत मॉडलिंग से हुई थी जेबी में 10वीं क्लास में थी टीबी से मैंने करियर शुरू किया था फिर मुझे सीजी मूवी के ऑफर आने लगे या मैंने सीजी मूवी की या करियर की शुरुआत हो गई। मेरी पहली फिल्म सभी जगह रिलीज हुई मुझे 1 नई पहचान मिली। मैंने कम से कम 6 से 10 फिल्म कर ली होगी जिसमें से 5 फिल्म रिलीज भी हो चुकी है। हर फिल्म को जनता का भारपुर प्यार मिलता रहता है जिसके लिए मैं जनता की हमेशा आभारी रहूंगी।

युवाओं के लिए संदेश : आपको जीवन में जो भी बनना है उस पर कड़ी मेहनत करो वो चीज आपको मिल ही जाती है।

निशा काजल पंडित

मेरा नाम निशा काजल पंडित है, मैं एक छोटे से गांव खरौद से हूं शुरुआत मेरे लिए आसान बिल्कुल नहीं रही | स्कूल के दिनों से ही मैं गाने नाटक रंगोली डांसिंग क्राफ्ट वर्क में अव्वल रही हूं, जब मैं कॉलेज से निकली तो मेरे घर वाले विशेष कर मेरे पिताजी चाहते थे कि मैं सिविल सर्विसेज की तैयारी करके कोई बड़ी अफसर बनूं परंतु मेरा रुझान तो बचपन से ही कला के क्षेत्र में था जिसके लिए मुझे मेरी मां से काफी सहयोग मिला। मैं यूथ को यही बोलना चाहूंगी कि आप अगर कुछ करना चाहते हैं तो उसके लिए पूरी लगन से पूरी शिद्दत के साथ मेहनत करते रहिए उससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका बैकग्राउंड क्या है।

श्रुति सिंह

छत्तीसगढ़ के गांव, कस्बों और अब तो ब्लॉक से भी प्रतिभाएं निखरकर आ रही हैं। रायगढ़ जिले के छोटे से ब्लॉक धरमजयगढ़ की श्रुति सिंह अब अपनी प्रतिभा का लोहा मना चुकी हैं। कानून की पढाई पूरी करने से पहले ही अपने भीतर के कलाकार को अकार देने वाली श्रुति सिंह छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्रीज की माहिर अदाकाराओं में शामिल हैं। उन्होंने शहर सत्ता को बताया कि एलएलबी की डिग्री अभी पिछले साल ही पूरी की है। कला के छेत्र पे बचपन से ही एक्टिव रहीं, डांस में अत्यधिक रुचि थी धीरे धीरे नाट्य को समझने लगी। उनका ये शौक उन्हें इंडस्ट्रीज में अपनी जगह बनाने में काफी मददगार साबित हुआ।

रितु विश्वकर्मा

सीजी एल्बम से छॉलीवुड में अपना सफ़र शुरू करने वाली रितु का सपना पूरा होने वाला है। एल्बम सॉन्ग करते करते छत्तीसगढ़ी फिल्म में पहले ही ब्रेक में वो विदेश जाएँगी। रितु ने बताया कि सीजी में काफ़ी काम किया है, और भी कई प्रोजेक्ट आने वाले हैं। उनका सपना है कि वो पुलिसवाली का किरदार निभाएं। उन्हें उम्मीद है भविष्य में यह ख्वाब पूरा होगा। छॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाने का सपना संजोने वाली युवा पीढ़ी के लिए रितु कहती हैं, आज के युवा काफ़ी समझदार हैं और उनमें खासी संभावनाएं भी हैं। बस, जरूरत है तो उनमें खुद की बखत और माद्दा को समझने की। फिल्मों में रोल करने से पहले रील बनायें और खुद के हुनर का आंकलन करें।

दिया वर्मा

छत्तीसगढ़िया और ओडिशा की भाषा में एल्बम से अभिनय की शुरुआत करने वाली दिया वर्मा प्रादेशिक फिल्मों की उभरती अभिनेत्री हैं। अभी तब 30 से ज्यादा छत्तीसगढ़ी गानों के एलबम्स किए हैं। उडिया गीतों में भी एक से बढ़कर एक गानों में अपनी अदाकारी के जरिये कामयाबी के कई सोपान चढ़ चुकी है। इनकी ओड़िया भाषा में फिल्म 'सक्ती कृष्णा अनूज' और छत्तीसगढ़ी भाखा की फिल्म 'हमर भाचा चंदा मामा' में अभिनय तारीफे काबिल है। अभिनेत्री दिया का छत्तीसगढ़ के युवाओं खासकर युवतियों के लिए सक्सेस टिप्स है, वह है सिर्फ खुद के टैलेंट पर भरोसा और फिल्म के क्षेत्र में सबसे ज्यादा जरुरी है डांसिंग , एक्टिंग और सिंगिंग का ककहरा जानना।

मेकअप से खिल उठते हैं बेजान चेहरे

प्रवीण सिंह

माई प्रवीण सिंह पिछले 11-12 साल से मेकअप कर रहे हैं। इंडस्ट्रीज के सबसे बेहतरीन मेकअप आर्टिस्टों में शुमार प्रवीण प्रोस्थेटिक मेकअप के मास्टर मने जाते हैं। जैसे कटा-फटा हुआ शरीर का अंग दिखाना, जवान को बूढ़ा बनाना, डरावने गेटअप देना, जिसमें करीब 5 से 6 घंटे लगते में महारत हासिल है। उन्हें 6 साल सीजी इंडस्ट्री में बतौर मेकअप आर्टिस्ट अलग पहचान मिली है है। अब तक 50 से ऊपर फिल्म प्रोजेक्ट किए हैं। जिनमें हिंदी, मराठी, छत्तीसगढ़ी भाषा की फ़िल्में प्रमुख हैं। इनकी आने वाली फिल्में हैं... दांतेला (हॉरर), झन जाबे परदेस, गरवा बाजा संग बर बिहाव,ढोकल, शहीद 76 (बॉलीवुड) और कबूतरी (वेबसीरीज) जल्द दर्शकों के सामने होंगी।

बिजय कुमार जेना

1991 मे पहले हिंदी सीरियल "सम्राट ख़ारबेल" में सहायक के तौर पर बिजय ने अपने मेकअप आर्टिस्ट के कैरियर की शुरुआत की। फिर पहली फिल्म ओड़िया मूवी "सुना संसार" थी। तक़रीबन दस से ज्यादा फिल्मों में मुख्य सहायक मेकअप आर्टिस्ट के बतौर कार्य किये। तीन चर्चित मेगा सीरियल्स में मेकअप आर्टिस्ट रहे हैं। उन्होंने अब तक 40 छत्तीसगढ़ी मूवी, 4 भोजपुरी, 1 हिंदी मूवी किये हैं। मुख्य मेकअप आर्टिस्ट राज लक्ष्मी, और टूट गए मया के पंखी जल्द रिलीज होने वाली है। छालीवुड फिल्म इंडस्ट्रीज में आने वाली नई पीढ़ी से इतना ही कहना चाहूंगा कि "जो भी काम करो, उसे दिल से करो।

तारिणी दुबे गोरा

मेकअप असिस्टेंट से अपने कैरियर की शुरुआत करने वाले गोरा अपनी कामयाबी का श्रेय अपने गुरु रमेश भाई और खुद की मेहनत तथा लगन को देते हैं। छालीवुड में पहली फिल्म मया से फ़िल्मी सफर की शुरुआत किये और अब तक 47 फिल्म में अपनी मेहनत दिखा चुके हैं। अभी आने वाली फिल्म मोर छैया भुइया 3 है। इनका मूल मंत्र है मेहनत, लगन और अपने काम के प्रति पूरा समर्पण। उन्होंने शहर सत्ता को बताया कि वे काम में इतना व्यस्त रहते हैं तो फिर किसी तरफ ध्यान नहीं जाता। उनका जूनून है आर्टिस्टों को उनकी भूमिकाओं के मुताबिक ऐसा मेकअप करके देना जो उनके लिए फिट हो। बदसूरत को सुंदर और ख़ूबसूरत को और भी निखरा हुआ प्रस्तुत करने में मेकअप आर्टिस्ट का ही हाथ होता है।

चोवा राम साहू

छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं है मेकअप आर्टिस्ट चोवा राम साहू। सहज, सरल और मेहनतकश चोवा राम ने मेकअप आर्टिस्ट के ठाकुर पर स्थापित होने से पहले स्पॉटबॉय के तौर पर काम करना शुरू किया। इनकी पहली फिल्म मरते दम तक चलेगी और मैं हमेशा जिंदा रहूंगा में अनुभवपूर्ण कार्य झलकता है। तकरीबन 125 फिल्मों में कार्यानुभव से साफ हो जाता है कि फिल्म इंडस्ट्रीज में उनके काम की अलग पहचान है। चोवा राम साहू की आगामी फिल्म मया बिना ना जाए 4 अप्रैल को आ रही है। उनका कहना है कि मेकअप आर्टिस्टों की ही मेहनत का फल है कि एक साधारण नैन-नक्श वाले अभिनेता और अभिनेत्री कैमरे के सामने असाधारण दिखते हैं।

फ़िल्म समीक्षा

झन जाबे परदेस

आज छालीवुड की चर्चित फिल्मों में झन जाबे परदेस भी शुमार हो गई है। आज फ़िल्म रिलीज़ हुयी जिसका बेसब्री से फिल्म पसंद दर्शक इंतज़ार कर रहे थे। इसकी वजह है फ़िल्म के मुख्य अभिनेता अजय पटेल, क्यों की अजय पहले खलनायक की भूमिका में नज़र आते थे। उनकी हीरो की भूमिका में यह पहली फिल्म है। शुक्रवार को रिलीज़ हुयी फ़िल्म झन जाबे परदेस के निर्देशक रतन कुमार ने प्रदेश के ज्वलंत मुद्दे पर फिल्म बनाने का रिस्क लिए है। जिसमें अपने प्रदेश को छोड़कर रोजी-रोटी की तलाश में पलायन करने मजबूर लोगों की दिक्कतों और चुनौतियों को बखूबी फिल्माया है। वैसे विषय बहुत अच्छा चुना गया है परंतु पटकथा एवं कहानी बहुत ज्यादा दमदार नहीं बन पाई है।

फिल्म में डायलॉग डिलीवरी और संवाद की सराहना की जा सकती है। फ़िल्म का एक डायलॉग... अभी हीरो बने हव. भूल मत पहले मैं तोर ले बड़े विलेन रेहव ने खूब तालियां बटोरी। फ़िल्म में 2 हीरोइन है आराध्या सिन्हा, रितु विश्वकर्मा दोनों को जितनी भूमिका दी गई उसके साथ उन्होंने न्याय किया है। मिला उसको बखूबी निभाया..नये-पुराने कलाकारों का संगम है झन जाबे परदेस। जिसमे पुराने कलाकारों ने अपने किरदारों के साथ न्याय किया है। अजय पटेल, अराध्या सिन्हा, दिव्या नगदेव, भूपेंद्र, हेमलाल कौशल, उपासना सिंह, राजेश पंड्या, डॉ उर्वशी साहू की एक्टिंग प्रशंसनीय है। संगीत ठीक है, जैसे कर्मा नाच दे,कोसा के लुगरा..प्रोडूसर संतोष सम्राट तिवारी ने विलन की भूमिका फ़िल्म में निभाई है। लुक जानदार है, मगर उन्हें अभिनय और मिली हुई भूमिका के साथ पूरी ईमानदारी से मेहनत करने की जरुरत है। फ़िल्म निर्देशक और निर्माता तारीफ के काबिल है, उन्होंने उस हर छोटे प्रदेश की सबसे ज्वलंत मुदा पलायन पर फ़िल्म बनाने की कोशिश तो की, जहा एक तरफ सिर्फ प्यार या पारिवारिक फिल्मों के अलावा घिसे-पिटे तौर की स्टोरी पर ही फिल्मे आती थी। ऐसे में छत्तीसगढ़ राज्य समेत अन्य छोटे प्रदेशों के लिए पलायन की विडंबना पर फिल्म बनाने की पहल तारीफ के काबिल है। हालांकि दर्शकों को यह कितनी पसंद आती है या फिर बांधें रखती है इसकी समीक्षा सिनेमा हॉल में दर्शकों की भीड़ और कमाई से लगाया जा सकेगा।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों-पीड़ितों को मिलेगी जमीन, आवास और प्रोत्साहन राशि

नक्सलवाद के खिलाफ जारी जंग के बीच राज्य सरकार ने लागू की नई नक्सल नीति

रायपुर/जगदलपुर (शहर सत्ता संवाददाता)। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ जारी लड़ाई के बीच राज्य सरकार ने 'छत्तीसगढ़ नक्सल आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत और पुनर्वास नीति-2025' लागू की है। इस नीति का उद्देश्य नक्सल हिंसा के पीड़ितों को अधिक मुआवजा, मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और नौकरी के अवसर प्रदान करना है। साथ ही, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को नया जीवन शुरू करने के लिए पुनर्वास और कानूनी सहायता दी जाएगी। नई नीति का प्राथमिक उद्देश्य नक्सल हिंसा से प्रभावित लोगों की सहायता करना और आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को समाज में फिर से शामिल करना है। सरकार का मानना है कि नक्सलवाद को खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई और पुनर्वास के बीच संतुलन जरूरी है।

नक्सली का सरेंडर कराने वाले परिवार वाले को भी मिलेंगे 50 हजार रुपये

नक्सल आत्मसमर्पण नीति 2025 में जमीन, आवास, और आर्थिक सहायता

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मिलेगी शिक्षा और रोजगार सहायता

नक्सली स्वजन को मिलेगी प्रोत्साहन राशि, पुलिसकर्मियों को भी देंगे इनाम

नक्सल विरोधी अभियानों में पुलिस की विशेष सहायता करने वाले 'गोपनीय सैनिकों' (पुलिस मुखबिरों) की मृत्यु के मामले में दिए जाने वाले मुआवजे को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये (केंद्रीय योजनाओं के तहत देय मुआवजे के अतिरिक्त) कर दिया गया है। इसी तरह, ऐसे व्यक्ति को स्थायी विकलांगता के मामले में दिए जाने वाले मुआवजे को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है। नक्सलियों के स्वजन को उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करने पर आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50-50 हजार की राशि दी जाएगी। नक्सली के विरुद्ध घोषित इनामी राशि का 10 प्रतिशत अथवा अधिकतम पांच लाख रुपये आत्मसमर्पण में मदद कराने वाले पुलिस और सुरक्षाकर्मियों को वितरित किया जाएगा। नक्सली संगठन की 60 प्रतिशत से अधिक इकाई के सामूहिक आत्मसमर्पण पर यह राशि दोगुनी हो जाएगी। ग्राम पंचायत क्षेत्र के सभी नक्सली सदस्यों के आत्मसमर्पण पर उस क्षेत्र को नक्सल-मुक्त घोषित कर चार करोड़ रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृति मिलेगी। 'एलवद पंचायत अभियान' के अंतर्गत ग्राम पंचायतें व ग्रामीण नक्सलियों के आत्मसमर्पण में मदद करेंगे। उन्हें भी प्रोत्साहन राशि के प्रविधान हैं।

पीड़ित परिवार के बच्चों को मिलेंगी सुविधाएं

पीड़ित परिवारों के बच्चों को प्रयास आवासीय विद्यालयों और एकलव्य मॉडल स्कूलों में मुफ्त शिक्षा मिलेगी। यदि वे निजी स्कूलों में पढऩा चाहते हैं, तो उन्हें शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत आरक्षित सीटों पर प्राथमिकता मिलेगी। इसके अतिरिक्त, उच्च शिक्षा या तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों को 25,000 रुपये वार्षिक छात्रवृत्ति मिलेगी, अधिकारी ने कहा।

पीड़ितों को आवासीय भूमि और वित्तीय सहायता

नई नीति के अनुसार नागरिकों की हत्या, गंभीर चोट या स्थायी विकलांगता के मामले में, पीड़ितों या उनके परिवारों को शहरी क्षेत्रों में 1.5 हेक्टेयर कृषि भूमि या 4 डिसमिल (1,742 वर्ग फीट) आवासीय भूमि प्रदान की जाएगी। यदि भूमि उपलब्ध नहीं कराई जा सकी, तो ग्रामीण क्षेत्रों में पीड़ितो को 4 लाख रुपये और शहरी क्षेत्रों में 8 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यदि कोई पीड़ित परिवार घटना के तीन साल के भीतर कृषि भूमि खरीदता है, तो उन्हें अधिकतम दो एकड़ भूमि की खरीद पर स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क से पूरी छूट मिलेगी। नागरिकों की मृत्यु के मामले में, यदि परिवार के किसी सदस्य को सरकारी नौकरी नहीं दी जा सकती है, तो 15 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी (पति/पत्नी-बच्चों को 10 लाख रुपये और माता-पिता को 5 लाख रुपये)। सरकार ने नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए विशेष रोजगार योजनाएं भी शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई पीड़ित निजी क्षेत्र की नौकरी हासिल करता है, तो सरकार पांच साल के लिए वेतन का 40 प्रतिशत भुगतान करेगी, जिसकी सीमा 5 लाख रुपये प्रति वर्ष होगी।

आत्मसमर्पण करने पर मिलेगी ये मदद

आत्मसमर्पण करने पर नक्सली को 50,000 रुपये नकद सहायता मिलेगी। उन्हें आत्मसमर्पण किए गए हथियार के लिए 'प्रोत्साहन राशि' भी प्रदान की जाएगी। एलएमजी (लाइट मशीन गन) के लिए आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली को 5 लाख रुपए, एके-47 राइफल के लिए 4 लाख रुपए, इंसास या एसएलआर (सेल्फ लोडिंग राइफल) राइफल के लिए 2 लाख रुपए आदि मिलेंगे। अविवाहित नक्सली या जिसका जीवनसाथी जीवित नहीं है, उसे विवाह के लिए तीन साल के भीतर 1 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी साथ ही जिन नक्सली पर 5 लाख रुपए या उससे अधिक का इनाम है उन्हें आत्मसमर्पण करने पर शहरी क्षेत्र में अधिकतम 4 डिसमिल (1742 वर्ग फीट) जमीन या ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतम 1 हेक्टेयर कृषि भूमि आवंटित की जाएगी। यदि जमीन उपलब्ध नहीं कराई जा सकी तो अचल संपत्ति खरीदने के लिए 2 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 5 किलोग्राम या उससे अधिक वजन वाले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) की जब्ती में मदद करने पर 15,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी और 10 किलोग्राम या उससे अधिक वजन वाले आईईडी की जब्ती पर 25,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

इसी तरह, नक्सलियों के बड़े भंडार (जिसमें हथियार निर्माण के लिए आवश्यक उपकरण, स्वचालित हथियार, 20 किलोग्राम या उससे अधिक विस्फोटक शामिल हैं) की बरामदगी पर एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने प्रतिबंधित संगठन में उनके रैंक के अनुसार निचले स्तर के नक्सलियों के लिए पुरस्कारों में भी संशोधन किया है। किसी भी ग्राम पंचायत में सक्रिय सभी नक्सली सदस्यों और मिलिशिया के आत्मसमर्पण पर एक करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत किए जाएंगे।

जन आकांक्षा पर खरे उतरते अजय/बुमराह

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष के कई नेता सियासी खामोशी ओढ़ रखे हैं, जनहित और विभागीय लापरवाही पर पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने खुलकर मुद्दा उठाया। अजय अध्ययन शील है, संसदीय परंपरा के बेहतरीन जानकर भी और सदन में वर्तमान किसी भी सदस्य की तुलना में सर्वाधिक जनहित के मुद्दों को उठाने सत्तापक्ष से लेकर विपक्ष को अपने अलहदा अंदाज में आईना दिखाने वाले है। बावजूद इसके उनकी योग्यता के प्रतिकूल परिणाम सियासी मंजर में दिखाई पड़ते रहे हैं। अजय चंद्राकर का संसदीय अनुभव न केवल उन्हें एक सक्षम नेता बनाता है, बल्कि उनके कार्यों में भी उनके गहरे विचार और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए हमेशा सक्रिय रहते हैं, चाहे वह कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, इन्फ्रस्टचर, विभागीय विफलता या भ्रष्टाचार के मुद्दे क्यों न हो। उनकी नेतृत्व क्षमता और धैर्यपूर्ण दृष्टिकोण ने उन्हें विधानसभा में एक स्थिर और प्रभावी आवाज बना दिया है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह भी वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर को सदन का जसप्रीत बुमराह करार दे चुके हैं।

रायपुर (शहर सत्ता)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में हर बार की तरह इस बार भी पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने विकास और विफलता के मुद्दों को सबसे पहले प्राथमिकता देते हुए पक्ष और विपक्ष दोनों के कामकाज के लिए सदन में आवाज बुलंद की है। इस बार सदन में आसंदी डॉ. रमन सिंह ने बजट सत्र के समापन भाषण में अजय चंद्राकर की इसी तेजी को देखते हुए कहा कि अजय चंद्राकर हमारे सदन के जसप्रीत बुमराह हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे बुमराह अपनी गेंदबाजी में विविधता दिखाते हैं और विरोधी टीमों के लिए चुनौती बनते हैं, वैसे ही अजय चंद्राकर सदन में अपने संसदीय ज्ञान और अनुभव से हर मुद्दे पर सारगर्भित विचार रखते हैं। उनके विचार सकारात्मक और सुधारात्मक होते हैं, जो न केवल सदन की गरिमा को बढ़ाते हैं, बल्कि नवनिर्वाचित विधायकों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत हैं। वह न सिर्फ अपने क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित हैं, बल्कि उन्होंने हमेशा राज्य के समग्र कल्याण की दिशा में काम किया है।

उनकी सोच में न सिर्फ आलोचना की क्षमता है, बल्कि समस्याओं के समाधान के लिए ठोस और प्रभावी सुझाव देने की भी शक्ति है। अजय चंद्राकर का संसदीय कौशल और उनका नैतिक नेतृत्व न केवल छत्तीसगढ़ के लिए, बल्कि भारतीय राजनीति के लिए भी एक मिसाल है। उनकी राजनीतिक यात्रा और दृष्टिकोण नव-निर्वाचित नेताओं को सिखाता है कि किस प्रकार एक ईमानदार, पारदर्शी और उत्तरदायी नेता राज्य और समाज के उत्थान में अपनी भूमिका निभा सकता है। उनका यह समर्पण और कड़ी मेहनत उन्हें आने वाले समय में और भी बड़ी जिम्मेदारियां निभाने के लिए तैयार करता है।

वर्तमान मंत्रियों की क्लास, मंत्री पद के लिए फिर नाम की चर्चा

बजट सत्र के खत्म होने के साथ ही कैबिनेट के विस्तार को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। इस बार सदन के सबसे मुखर नेता अजय चंद्राकर के सदन में परफॉरमेंस को देखकर सियासी गलियारी में यही कहा जा रहा है कि अजय चंद्राकर को उनकी आक्रमकता, बेबाकी, सक्रियता, स्पष्ट विचार और नेतृत्व का फायदा उन्हें फिर मंत्री का पद दिलवा सकता है। क्योंकि इस बार अजय चंद्राकर ने सदन में अपनी ही सरकार के कामकाज और जनहित के मुद्दों के साथ ही सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं पर जमकर प्रश्न उठाते हुए वर्तमान मंत्रियों की क्लास ले ली, उनके अधिकांश प्रश्नों के जवाब मंत्री सदन में नही दे सके, जिसका असर पार्टी के अंदरूनी सियासी समीकरणों पर हो सकता है। अजय चंद्राकर ने वर्तमान के मंत्रियों के विभागीय कामकाज की समीक्षा करते हुए सत्ता और संगठन को एक मैसेज भी दिया है कि किस प्रकार सालभर से अधिक का समय होने के बावजूद जनहित के मुद्दों और योजनाओं पर सरकार काफी पीछे है, जिसका फायदा विपक्ष उठा सकता है।

चुनावी सफलता

चंद्राकर ने 1998 से कुरुद से छह बार विधानसभा चुनाव लड़ा, जिसमें वे पांच बार (1998, 2003, 2013, 2018, 2023) जीतने में सफल रहे। केवल 2008 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2023 में उन्होंने कांग्रेस की तारिणी नीलम चंद्राकर को 94,712 वोटों से हराया, जो उनकी क्षेत्र में मजबूत पकड़ को दर्शाता है।

विकास कार्यों पर जोर

मंत्री रहते हुए उन्होंने सडक़, बिजली, पानी, स्कूल, कॉलेज, और स्वास्थ्य सुविधाओं में महत्वपूर्ण कार्य किए। वे इन कार्यों को अपनी प्रमुख उपलब्धि मानते हैं और क्षेत्र की जनता से लगातार संपर्क बनाए रखते हैं। उनका कहना है कि विपक्ष का इनमें कोई योगदान नहीं है।

स्थानीय मुद्दों पर सक्रियता

हाल ही में, कुरुद नगर पंचायत के अध्यक्ष तपन चंद्राकर पर अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उन्होंने अपनी ही सरकार के खिलाफ मौन प्रदर्शन की योजना बनाई थी, जो बाद में मुख्यमंत्री के आश्वासन पर स्थगित कर दी गई। यह उनकी निडरता और स्थानीय हितों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नीति निर्माण में योगदान

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में उनकी नीतियों ने छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने में मदद की है। हालांकि, विपक्ष उनके कार्यकाल में स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कथित घोटालों का जिक्र करता है, जिसे वे पूरी तरह से नकारते हैं।

प्रभावशाली नेता

अजय चंद्राकर छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक प्रमुख और प्रभावशाली नेता के रूप में विख्यात हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और कुरुद विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक चुने गए है। वे अपनी सक्रियता, स्पष्ट विचार और नेतृत्व क्षमता के कारण छत्तीसगढ़ विधानसभा और उनके क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुखर वक्ता

चंद्राकर अपनी बेबाक टिप्पणियों और आक्रामक रुख के लिए प्रसिद्ध हैं। वे विपक्ष, खासकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, नीतिगत विफलताओं और प्रशासनिक कमियों को उजागर करने में संकोच नहीं करते। भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ उन्होंने कोयला घोटाला, शराब नीति और ईडी कार्रवाई जैसे अहम मुद्दों पर सवाल उठाए हैं।

सदन में अजय चंद्राकर की भूमिका

अजय चंद्राकर छत्तीसगढ़ विधानसभा में एक अनुभवी और मुखर विधायक के रूप में पहचाने जाते हैं। उनका विधायी कार्यों में गहरा अनुभव है, जो उनके 2003-2008 और 2013-2018 के मंत्रिमंडल कार्यकाल से स्पष्ट है। इस दौरान उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य, और संसदीय कार्य जैसे महत्वपूर्ण विभागों का नेतृत्व किया। विधानसभा की कार्यप्रणाली को सुचारू बनाने और जनप्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उन्होंने पंच-सरपंचों के लिए शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किए।

नेतृत्व और जनसंपर्क

कुरुद विधानसभा क्षेत्र में अजय चंद्राकर की लोकप्रियता और प्रभाव का मुख्य कारण उनकी निरंतर सक्रियता और जनता से सीधा जुड़ाव है। वे अपने क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हैं और स्थानीय मुद्दों पर सक्रिय रहते हैं। वे पंचायत चुनावों में भी अपने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हैं और भाजपा के अधिकृत उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हैं। समर्पण और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और आदर्श नेता बनाती है। उनके नेतृत्व में राज्य और क्षेत्र में विकास की नई दिशा देखने को मिलती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-22683361, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी